राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 09 जुलाई 2025 वर्ष-8,अंक-140 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

26वें साल में रचा इतिहासः सी-17 ग्लोबमास्टर की कारगिल में हुई लैंडिंग, वायुसेना की नई उड़ान

नई दिल्ली/कारगिल।

भारत की सैन्य शक्ति ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली है। 26 साल बाद, उस कारगिल एयरस्ट्रिप पर, जहां 1999 में युद्ध के दौरान पाकिस्तान ने हमला बोला था, अब भारतीय वायुसेना का सबसे भारी विमान सी-17 ग्लोबमास्टर सफलतापूर्वक उतार दिया गया है। यह लैंडिंग सिर्फ एक तकनीकी सफलता नहीं, बल्कि भारत की रणनीतिक तैयारियों का पड़ोसी देश पाकिस्तान और चीन के लिए एक स्पष्ट और साहसी संदेश भी है।

यहां बताते चलें कि फरवरी 2025 में वायुसेना ने पहली बार कारगिल एयरस्ट्रिप पर सी-17 ग्लोबमास्टर की सफल ट्रायल लैंडिंग की थी। इससे पहले जनवरी 2024 में यहां पर सी-130जे सुपर हर्क्यूलिस की नाइट लैंडिंग हो चुकी है। सी-17 की लैंडिंग से अब कारगिल में 24×7 हैवी एयरलिफ्ट ऑपरेशन की क्षमता मिल गई है।

कारगिल एयरस्ट्रिप की रणनीतिक अहमियत

एलओसी से बेहद नजदीक स्थित यह एयरस्ट्रिप अब तक सीमित ऑपरेशन के लिए ही उपयोग होती थी। यहाँ से टेकऑफ सीधा पीओके की तरफ होता है इस तरह हर उड़ान, हर लैंडिंग खतरे से खाली नहीं हैं। पहले केवल एएन-32 और सी-130जे ही ऑपरेट कर रहे थे, जिनकी पेलोड कैपेसिटी सीमित थी।

सी-17 की ताकत- क्या बदल गया?

- विशेषता = सी-130जे सुपर हर्क्यूलिस सी-17 ग्लोबमास्टर
- अधिकतम भार क्षमता 6-7 टन 30-35 टन (सर्दियों में)
- सैनिकों की संख्या 90 180+ साजो-सामान के साथ
- उड़ान रेंज 3,300 किमी 4,500 किमी (फुल लोड)

रनवे की जरूरत कम कठिन एयरस्ट्रिप पर सक्षम

अब सेना के टैंक, आर्टिलरी गन, बीएमपी वाहनों, भारी हथियार, हाई एल्टीट्यूड टेंट, राशन, ईंधन-सब कुछ कारगिल तक सी-17 से सीधे पहुंचाया जा सकेगा। इससे लॉजिस्टिक ऑपरेशन चार गुना तेजी से हो पाएंगे। विशेषज्ञों की राय में यह सिर्फ एक लैंडिंग नहीं, बल्कि भारत की रणनीतिक चेतावनी है। अब देश के सबसे कठिन इलाके में भी सी-17 उतार सकता है, यह भारत की एयरलिफ्ट क्षमताओं की पराकाष्ठा है।

राहुल गांधी और तेजस्वी की जोड़ी आज पटना की सड़कों पर

बिहार बंद से गरमाई सियासत, महागठबंधन दिखाएगा ताकत

पटना। बिहार में चुनावी माहौल गरमाने लगा है। विपक्षी महागठबंधन 9 जुलाई को बिहार बंद के समर्थन में पटना की सड़कों पर उतरने को तैयार है। इस 'बंद' की अगुवाई करेंगे आरजेडी नेता तेजस्वी यादव और कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, जिनकी जोड़ी को विपक्ष अब 'जय-वीरू' की तरह पेश कर रहा है। यहां बताते चलें कि बिहार बंद का आह्वान लेफ्ट दलों और ट्रेड यूनियनों ने किया है, जिसे महागठबंधन का भी जोरदार समर्थन मिला हुआ है। बिहार बंद की पृष्ठभूमि में दो बड़े मुद्दे हैं, जिसमें पहला नई श्रम संहिता का विरोध है। इसके अंतर्गत ट्रेड यूनियन इसे मज़दूर विरोधी बताते हुए वापस लेने की मांग कर रहे हैं। जबकि दूसरा मुद्दा वोटर लिस्ट का विशेष गहन पुनरीक्षण है, चुनाव आयोग द्वारा शुरू की गई इस प्रक्रिया में मतदाताओं से नागरिकता साबित करने के लिए दस्तावेज मांगे जा रहे हैं।

तेजस्वी ने बताया 'वोटबंदी'

तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि यह दलितों, गरीबों और अल्पसंख्यकों के वोट काटने की साजिश है। उन्होंने कहा कि आधार कार्ड जहां नए वोटर आईडी के लिए मान्य है, वहीं इस प्रक्रिया में अमान्य करार दिया गया है। बंद को लेकर तेजस्वी ने कहा कि यह बंद केवल श्रमिकों का नहीं है, यह संविधान बचाने की लड़ाई है। वोट मांगने से पहले सरकार बताए कि वोट देने का अधिकार छीना क्यों जा रहा है?

राहुल गांधी चक्का जाम में होंगे शरीक

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पटना में चक्का जाम में शरीक होंगे और चुनाव आयोग तक मार्च करेंगे। सूत्रों के अनुसार, वह उद्योगपति गोपाल खेमका हत्याकांड के पीड़ित परिवार से भी मिल सकते हैं। महागठबंधन इस बंद को राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन के रूप में देख रहा है। इंडिया ब्लॉक के नेता पटना में एकजुट होकर शक्ति प्रदर्शन करने को बेताब नजर आए हैं। इस बंद का उद्देश्य भाजपा को जमीनी स्तर पर घेरना, खासकर मतदाता सूची विवाद और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर जनता के समक्ष मुद्दे को ले जाना है। इस बंद को लेकर सियासी गलियारों में चर्चा है कि तेजस्वी-राहुल की सार्वजनिक एकजुटता बिहार चुनाव में विपक्षी एकता का मजबूत संदेश देगी।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

बिहार पुलिस ने बिहार बंद को देखते हुए राजधानी पटना सहित सभी प्रमुख जिलों में कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में ड्रोन से निगरानी की जाएगी और प्रमुख सड़कों पर बैरिकेडिंग व अतिरिक्त बल की तैनाती के साथ ही सीसीटीवी से निगरानी की जाएगी। डीजीपी आलोक राज ने कहा, कि कानून-व्यवस्था से कोई समझौता नहीं होगा। जो उपद्रव करेगा, उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

इंदौर।

इंदौर से रायपुर जा रही इंडिगो की फ्लाइट में उड़ान के करीब आधे घंटे बाद तकनीकी खराबी आ गई। विमान की इंदौर में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इसके बाद फ्लाइट रद्द कर दी गई। पैसेंजर्स को टिकट का पैसा वापस लेने या बुकिंग रीशेड्यूल करने के विकल्प दिए गए हैं। विमान ने मंगलवार सुबह 6:35 बजे रायपुर के लिए टेक ऑफ किया था। यात्रियों ने बताया कि फ्लाइट में अचानक जोर का झटका महसूस हुआ। जिसके कुछ ही देर बाद पायलट ने फ्लाइट को वापस इंदौर लाने की घोषणा की। इसे सुबह 7:15 बजे सुरक्षित लैंड करा लिया गया।

जेलों में कैदियों को कट्टरपंथी बनाने की घटनाएं आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा

गृहमंत्री शाह ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से प्रभावी कदम उठाने की दी सलाह

नई दिल्ली।

जेलों में कैदियों को कट्टरपंथी बनाए जाने की घटनाएं अब गंभीर चुनौती बन चुकी हैं। यह प्रवृत्ति आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा बन रही है इसलिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से इस दिशा में प्रभावी कदम उठाने का आग्रह किया है।

बता दें केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के गृह सचिवों से कहा है कि कारागारों में बंद कमजोर मानसिकता वाले व्यक्तियों में उग्र विचारधारा के प्रसार को रोकना और ऐसे कैदियों को मुख्यधारा में लौटाने के लिए 'डि-रेडिकलाइजेशन' की प्रक्रिया अपनाना अत्यंत जरुरी है। यह न केवल सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी है, बल्कि देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी सहायक सिद्ध होगा।

जेल में एक सीमित व नियंत्रित वातावरण होता है जहां सामाजिक अलगाव, समूह मनोवृत्ति तथा निगरानी की सीमितता जैसी परिस्थितियां अतिवादी विचारों के पनपने के लिए उपजाऊ भूमि बन जाती हैं।

कई कैदी, जो पहले से ही हताशा, समाज से कटाव या हिंसात्मक प्रवृत्तियों से ग्रस्त होते हैं, ऐसे माहौल में उग्रपंथी विचारधाराओं के प्रभाव में आ जाते हैं।

इसलिए गृह मंत्रालय ने चेताया है कि कुछ मामलों में उग्रपंथी बंदी हिंसात्मक गतिविधियों में लिप्त हो सकते हैं। चाहे वह जेल के स्टाफ पर हमला हो, अन्य बंदियों को नुकसान पहुंचाना हो या फिर बाहरी नेटवर्क के साथ मिलकर देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम देना हो।

गृह मंत्रालय ने 'मॉडल प्रिजन मैनुअल 2016' और 'मॉडल प्रिज़न्स एंड करेक्शनल सर्विसेज एक्ट, 2023' का हवाला देते हुए बताया कि इन मॉडल दस्तावेजों में उच्च-जोखिम कैदियों, उग्रवादियों आदि को अन्य कैदियों से अलग रखने के लिए विशेष सुरक्षा वाले कारागारों की व्यवस्था की गई है।

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की रिपोर्ट में खुलासा

ई-कॉमर्स वेबसाइट्स की मदद से भारत में हुए आतंकी हमले

अमेजन से विस्फोटक की खरीदारी, पे-पल से आतंकी को पेमेंट

नई दिल्ली। दुनियाभर में आतंकी गतिविधियों के लिए होने वाली फंडिंग पर नजर रखने वाली फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स ने ई-कॉमर्स वेबसाइटों के दुरुपयोग को लेकर चेतावनी दी है। टास्क फोस ने कहा कि आतंकवाद को फंड देने के लिए अब ई-कॉमर्स वेबसाइटों और ऑनलाइन पेमेंट सेवाओं का इस्तेमाल किया जा रहा है। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स ने अपनी रिपोर्ट में 2019 के पुलवामा आतंकी हमले और 2022 में गोरखनाथ मंदिर पर हुए हमले का जिक्र किया है। इन दो मामलों का उदाहरण देते हुए फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स ने बताया कि किस तरह ये सेवाएं गलत हाथों में जाकर आतंक को बढ़ावा देने का जरिया बन रही हैं।

आतंकवाद की फंडिंग को समझ नहीं पा रहे कई देश

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की इस रिपोर्ट का नाम 'कॉम्प्रिहेंसिव अपडेट ऑन टेररिस्ट फाइनेंसिंग रिस्क' है। यह रिपोर्ट बताती है कि बहुत से देशों में आतंकवाद की फंडिंग को समझने और रोकने की क्षमता में अब भी बड़ी कमियां हैं, और अगर इन्हें समय पर ठीक नहीं किया गया तो आतंकी संगठन मौजूदा कमजोरियों का फायदा उठाते रहेंगे। इसमें यह बताया गया है कि किस तरह आतंकी संगठन अंतरराष्ट्रीय फाइनेंशियल सिस्टम का इस्तेमाल अपनी गतिविधियों को जारी रखने और हमले करने के लिए करते हैं। इस रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि आतंकवाद से जुड़ी फंडिंग की रणनीतियां एक जैसी नहीं होतीं, बल्कि अलग-अलग जगहों पर, अलग परिस्थितियों के हिसाब से अलग तरीके अपनाए जाते हैं।

अमेजन से मंगवाया गया विस्फोटक

14 फरवरी 2019 को सीआरपीएफ का एक काफिला श्रीनगर-जम्मू हाईवे से गुजर रहा था। ट्रक पुलवामा के पास पहुंचा था, तभी एक सुसाइड अटैकर 200 किलो विस्फोटक लदी मारुति ईको कार लेकर घुस गया। विस्फोट इतना तेज था कि सुरक्षाबलों को लेकर जा रही 2 बसों के परखच्चे उड़ गए। इसमें 40 जवान शहीद हुए थे। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की रिपोर्ट में बताया गया है कि हमले में इस्तेमाल हुआ विस्फोटक पदार्थ ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म अमेजन के जरिए खरीदा गया था।

गोरखनाथ मंदिर के हमलावर को पे-पल से फंडिंग

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की रिपोर्ट में दूसरा उदाहरण गोरखनाथ मंदिर पर 4 अप्रैल 2022 में हुए हमले का दिया गया। इसमें एक शख्स ने ने वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों पर धारदार दरांती से हमला किया था। इसमें जवान गंभीर रूप से घायल हो गया था।

आज 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने किया भारत बंद का आयोजन, केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ

25 करोड़ से अधिक कर्मचारियों के शामिल होने की उम्मीद

नई दिल्ली।

बुधवार 2025 को भारत में एक बड़े स्तर पर भारत बंद का आयोजन होने की तैयारी है। यह हड़ताल 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों द्वारा बुलाई गई है और इसमें करीब 25 करोड़ से अधिक कर्मचारियों के शामिल होने की उम्मीद है। यह हड़ताल विभिन्न क्षेत्रों को प्रभावित कर सकती है, जिसमें प्रमुख रूप से बैंकों के कामकाज पर गहरा असर पड़ सकता है। इसके साथ ही बीमा से संबंधित कार्य भी प्रभावित हो सकते हैं। वहीं केंद्र के अधीन आने वाले डाकघरों में कामकाज बाधित होने की संभावना है। इतना ही नहीं कोयला खदानों में काम रुक सकता है। इसके अलावा देश भर में विभिन्न कारखानों में उत्पादन प्रभावित हो सकता है। आज होने वाली इस देशव्यापी हड़ताल से राज्यों में सार्वजनिक परिवहन सेवाएं बाधित हो सकती हैं। क्योंकि इन सेवाओं से जुड़े कर्मचारी इस हड़ताल में शामिल हो सकते है। एनएमडीसी लिमिटेड और अन्य क्षेत्रों में भी श्रमिक हड़ताल में शामिल हो रहे है। इससे इन लिमिटेड कंपनियों के कामों पर असर पड़ सकता है। राज्य सरकार के विभाग और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम के कर्मचारी भी हड़ताल का हिस्सा बन सकते हैं। विभिन्न ट्रेड यूनियन के अलावा किसान और ग्रामीण कर्मचारी भी इस विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में शामिल हो सकते है। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी कामकाज प्रभावित हो सकता है।

हड़ताल का कारण और मांगें

यह भारत बंद सरकार की मजदूर, किसान विरोधी और राष्ट्र विरोधी कॉरपोरेट-समर्थक नीतियों के विरोध में बुलाया गया है। कर्मचारी संगठनों ने केंद्र सरकार से कई महत्वपूर्ण मांगों पर ध्यान देने का आग्रह किया है। भारत बंद कर रहे संगठनों ने बीते साल श्रम मंत्री मनसुख मांडविया को 17-सूत्रीय मांगों का एक चार्टर सौंपा था। संगठनों का आरोप है कि मोदी सरकार पिछले 10 वर्षों से वार्षिक श्रम सम्मेलन का आयोजन नहीं कर रही है। उनका कहना है कि केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण बेरोजगारी बढ़ रही है, जरूरी वस्तुओं की कीमतें बढ़ रही हैं, और मजदूरी में गिरावट आ रही है। इतना ही नहीं शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी नागरिक सुविधाओं जैसे सामाजिक क्षेत्रों में खर्च में कटौती से गरीबों, निम्न आय वर्ग और मध्यम वर्ग के लिए असमानता और अभाव बढ़ रहा है। युवाओं के लिए रोजगार- देशभर के कर्मचारी संगठनों का आरोप है कि केंद्र सरकार सरकारी विभागों में नियमित नियुक्तियों के बजाय रिटायर्ड लोगों को काम पर रख रही है, जबकि देश की 65 प्रतिशत आबादी 35 साल से कम उम्र की है और बेरोजगारों की संख्या 20 से 25 साल के आयु वर्ग में सबसे अधिक है।

उत्तरकाशी में आए भूकंप के झटके

उत्तरकाशी।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में मंगलवार को भूकंप के झटकों ने लोगों को दहशत में डाल दिया। दोपहर 1 बजकर 7 मिनट पर आए इस भूकंप की पुष्टि राज्य के आपदा कंट्रोल रूम और राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र दोनों ने की है। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.2 मापी गई और इसका केंद्र जमीन से लगभग 5 किलोमीटर नीचे था। भूकंप के झटके कुछ ही क्षणों के लिए महसूस हुए, लेकिन इतने थे कि कई लोग डर के मारे घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने भूकंप के झटके महसूस होने की पुष्टि की और कई जगहों से छोटे स्तर की कंपन की रिपोर्ट मिली। राहत की बात यह है कि समाचार लिखे जाने तक किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं आई है।

भारत-पाकिस्तान का युद्ध मैंने रुकवाया, ट्रंप ने 59 दिनों में 21वीं बार दोहराया

कांग्रेस ने उठाया सवाल-आखिर पीएम मोदी इस मुद्दे पर कब चुप्पी तोड़ेंगे?

नई दिल्ली।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने का दावा किया है।

मंगलवार को ट्रंप के दावे के बाद कांग्रेस अब पीएम मोदी पर हमलावर है।

विपक्ष ने सवाल उठाया कि आखिर पीएम मोदी इस मुद्दे पर कब अपनी चुप्पी तोड़ेंगे? कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि ट्रंप ने 59 दिनों में कम से कम 21वीं बार, भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष रुकवाने के लिए मध्यस्थता का श्रेय खुद लिया है।

जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट में कहा राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया है कि उन्होंने ही मई में भारत-पाकिस्तान के बीच चार दिन चले युद्ध को रुकवाया है, साथ ही दोनों देशों के बीच यह संघर्ष परमाणु युद्ध में बदलने वाला था। भारत-पाकिस्तान युद्धविराम पर सहमत हुए क्योंकि अमेरिका के साथ व्यापार का मूलमंत्र उन्होंने ही इस्तेमाल किया था।

दूसरे शब्दों में उनका मैसेज था कि तुरंत युद्ध रोकें या अमेरिकी मार्केट खोने की वास्तविक संभावनाओं का सामना करें। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने यह ढिंढोरा तब पीटा जब वह यह घोषणा कर रहे थे कि भारत और पाकिस्तान के साथ एक अमेरिकी व्यापार समझौते की घोषणा जल्द होने वाली है।

पीएम मोदी के स्वागत में हुआ शिव तांडव स्तोत्र, सांबा रेगे और क्लासिकल

डब्रासीलिया।

ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होने के बाद मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया पहुंचे। यहां उनका स्वागत पारंपरिक सांबा रेगे की संगीतमय प्रस्तुति से किया गया।

इसके बाद होटल पहुंचने पर शिव तांडव स्तोत्र पाठ और भारतीय शास्त्रीय नृत्य का भावपूर्ण प्रदर्शन किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे 'यादगार स्वागत' बताया और प्रवासियों की अपनी जड़ों से जुड़े रहने के लिए प्रशंसा की। प्रधानमंत्री मोदी ने भी लिखा- 'ब्रासीलिया हवाई अड्डे पर, बटाला मुंडो बैंड ने कुछ बेहतरीन रचनाएं बजाईं। उनका यह प्रयास एफ्रो-ब्राजीलियन पर्क्यूशन, विशेष रूप से ब्राजील के साल्वाडोर दा बाहिया के सांबा-रेगे को बढ़ावा देने का वैश्विक प्रयास है।

कुछ घंटे पहले प्रधानमंत्री ने रियो डी जेनेरियो की अपनी यात्रा को 'बहुत उत्पादक' बताया था। राजकीय यात्रा पर ब्राजील की राजधानी पहुंचे भारतीय प्रधानमंत्री का हवाई अड्डे पर ब्राजील के रक्षा मंत्री जोस मुसियो मोंटेरो फिल्हो ने स्वागत किया।

पीएम मोदी सोमवार को 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए 'बहुत ही उत्पादक' रियो डी जेनेरियो यात्रा पूरी करने के बाद ब्राजील पहुंचे। भारतीय पीएम 2 से 10 जुलाई तक 5 देशों की यात्रा पर हैं। अब तक वे घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, और अर्जेंटीना का दौरा कर चुके हैं। फिलहाल वे ब्राजील दौरे पर हैं और यहां से नामीबिया जाएंगे। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, 'थोड़ी देर पहले ब्रासीलिया पहुंचा। भारतीय समुदाय ने यादगार स्वागत किया, जो एक बार फिर दर्शाता है कि हमारे प्रवासी कितने भावुक हैं और वे अपनी जड़ों से कितने जुड़े हुए हैं।'

उन्होंने कुछ तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें उत्साहित और उत्साही प्रवासी भारतीय तिरंगा थामे प्रधानमंत्री मोदी का हाथ जोड़कर अभिवादन करते नजर आ रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जनसंख्या वृद्धि से महंगाई बढ़ेगी

(लेखक- संजय गोस्वामी)

जनसंख्या वृद्धि से तात्पर्य किसी विशेष क्षेत्र में व्यक्तियों की संख्या में वृद्धि से है, और यह हाल के दशकों में दुनिया के सामने सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक रहा है। जैसे-जैसे मानव आबादी बढ़ती जा रही है, भोजन, पानी और ऊर्जा की मांग भी बढ़ती जा रही है। जनसंख्या में यह तीव्र वृद्धि प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव से लेकर पर्यावरणीय क्षरण तक कई चुनौतियाँ प्रस्तुत करती है। हम जनसंख्या की घातीय वृद्धि में योगदान करने वाले कारकों, ग्रह पर इस वृद्धि के प्रभावों और इस लगातार बढ़ती समस्या को प्रबंधित करने के लिए आवश्यक समाधानों की खोज करके जनसंख्या वृद्धि पर कुछ निबंधों पर चर्चा करेंगे। सभी के लिए एक स्थायी भविष्य सुनिश्चित करने के लिए अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि के परिणामों को समझना महत्वपूर्ण है।दुनिया के सामने आने वाली प्रमुख समस्याओं में से एक जनसंख्या की घातीय वृद्धि की समस्या है। यह समस्या सबसे बड़ी है। दुनिया के अधिकांश देशों में जनसंख्या के आंकड़ों में भारी वृद्धि देखी जा रही है। दुनिया के संसाधन सीमित हैं और इसलिए वे एक निश्चित सीमा से ज्यादा आबादी का भरण-पोषण नहीं कर सकते। दुनिया भर में खाद्यान्न की कमी और नौकरियों की कमी की खबरें आती रही हैं। मनुष्यों की संख्या स्थिर दर से बढ़ रही है। दुनिया की आबादी पहले ही छह अरब का आंकड़ा पार कर चुकी है और अगले तीन या चार दशकों में इसके दोगुना होने की उम्मीद है।अगर जनसंख्या इसी दर से बढ़ती रही तो अधिक आबादी वाले देशों की अर्थव्यवस्था जनसंख्या वृद्धि का सामना करने में असमर्थ हो जाएगी। सभी के दरवाज़े पर शांति, आराम और कल्याण लाने की हर कोशिश नाकाम हो जाएगी और अगर जनसंख्या को उचित सीमा में नहीं रखा गया तो दुख प्रमुख हो जाएगा। कुछ देशों को छोड़कर, सभी देश जनसंख्या वृद्धि का सामना कर रहे हैं। वर्तमान में, दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश चीन है और भारत दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश है। भारत दुनिया की 17ब आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। बांग्लादेश, जापान, इंडोनेशिया और यूरोप के कुछ देशों जैसे अन्य देशों में जनसंख्या विस्फोट का ख़तरा है। वर्तमान में, दुनिया की आबादी खतरनाक दर से बढ़ रही है, जिससे कई चुनौतियाँ पैदा हो रही हैं। अभी तक, वैश्विक जनसंख्या लगभग 7.6 बिलियन है और 2025 तक 8 बिलियन से अधिक होने की उम्मीद है। यह तीव्र वृद्धि पृथ्वी के संसाधनों पर अत्यधिक दबाव डालती है, क्योंकि ग्रह भोजन, पानी, आवास और नौकरियों की माँगों को पूरा करने के लिए संघर्ष करता है। अधिक जनसंख्या के कारण संसाधनों की कमी, पर्यावरण क्षरण और गरीबी के स्तर में वृद्धि हो सकती है, साथ ही पारिस्थितिकी तंत्र पर भी दबाव पड़ सकता है।उच्च जन्म दर, परिवार नियोजन तक अपर्याप्त पहुँच, प्रवास और गरीबी जैसे कारक इस समस्या में योगदान करते हैं। बढ़ती जनसंख्या के कारण वनों की कटाई, जैव विविधता का ह्रास और प्रदूषण में वृद्धि होती है, जिससे जलवायु परिवर्तन और भी बदतर हो जाता है। इसे संबोधित करने के लिए, राष्ट्रों को परिवार नियोजन, शिक्षा और संधारणीय प्रथाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। केवल प्रभावी रणनीतियों को अपनाकर ही हम आने वाली पीढ़ियों और ग्रह के लिए एक स्थिर, स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं।जनसंख्या वृद्धि से तात्पर्य किसी निश्चित अवधि में किसी विशिष्ट क्षेत्र में रहने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि से है। दुनिया की आबादी खतरनाक दर से बढ़ रही है, जो वर्तमान में 7.6 बिलियन के करीब है, और 2025 तक इसके 8 बिलियन को पार करने की उम्मीद है। यह घातीय वृद्धि ग्रह के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियां पेश करती है, क्योंकि पृथ्वी के संसाधन सीमित हैं और लगातार बढ़ती आबादी को अनिश्चित काल तक सहारा नहीं दे सकते।तेजी से बढ़ती जनसंख्या की मुख्य चिंताओं में से एक यह है कि यह प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव डालती है। अधिक जनसंख्या के कारण अधिक खेती, वनों की कटाई और अत्यधिक पानी की खपत होती है, जिससे पर्यावरण का क्षरण होता है। अधिक लोगों को भोजन, पानी और आश्रय की आवश्यकता होने के कारण, भूमि और पारिस्थितिकी तंत्र पर दबाव बढ़ता है, जिससे आवश्यक संसाधनों का ह्रास होता है। इसके अतिरिक्त, बढ़ती आबादी से बढ़ता कचरा और प्रदूषण जलवायु परिवर्तन में योगदान देता है। परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्रह की भविष्य की स्थिरता को खतरा है।जनसंख्या वृद्धि का मुख्य कारण मृत्यु दर में कमी और जीवन प्रत्याशा में वृद्धि है। अतीत में, सीमित स्वास्थ्य सेवा, युद्ध और प्राकृतिक आपदाओं के कारण जन्म और मृत्यु दर अधिक संतुलित थी। हालाँकि, जैसे-जैसे शिक्षा फैली, लोगों में स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूकता आई और उन्होंने बुनियादी बीमारियों को रोकने और उनका इलाज करने का तरीका है। जनसंख्या वृद्धि में योगदान देने वाला एक अन्य कारक अशिक्षा है। जब लोग कम शिक्षित होते हैं, तो वे पुरानी मान्यताओं और अंधविश्वासों का पालन करते हैं, जिससे स्वास्थ्य और जीवन के बारे में गलतफहमियाँ पैदा होती हैं। शिक्षित लोग जन्म नियंत्रण विधियों से अच्छी तरह वाकिफ होते हैं।परिवार नियोजन, कल्याण कार्यक्रम और नीतियों से अपेक्षित परिणाम नहीं मिले हैं। जनसंख्या में वृद्धि सीमित बुनियादी ढांचे पर बहुत अधिक दबाव डाल रही है और किसी भी देश की प्रगति को नकार रही है।अंधविश्वासी लोग मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों से आते हैं, वे सोचते हैं कि बेटा पैदा करने से उन्हें समृद्धि मिलेगी और इसलिए माता-पिता पर तब तक बच्चे पैदा करने का काफी दबाव होता है जब तक कि बेटा पैदा न हो जाए। इससे भारत, बांग्लादेश जैसे अविकसित देशों में जनसंख्या वृद्धि होती है।गरीबी इसका एक और मुख्य कारण है। गरीब लोगों का मानना है कि परिवार में जितने ज्यादा लोग होंगे, रोटी कमाने वालों की संख्या उतनी ही ज्यादा होगी। इसलिए यह जनसंख्या वृद्धि में योगदान देता है।पड़ोसी देशों से लोगों के लगातार अवैध प्रवास से देशों में जनसंख्या घनत्व में वृद्धि होती है।धार्मिक भावना जनसंख्या विस्फोट का एक और कारण है। कुछ रूढ़िवादी समुदायों का मानना है कि निषेध का कोई भी आदेश या वैधानिक तरीका अपवित्र है।जनसंख्या वृद्धि का लोगों के जीवन स्तर पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। दुनिया भर में अधिक जनसंख्या के कारण मीठे पानी की आपूर्ति की अधिक मांग हो सकती है और यह एक बड़ा मुद्दा बन गया है क्योंकि पृथ्वी पर केवल 3ब मीठा पानी है।जनसंख्या की घातीय वृद्धि के कारण पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधन समाप्त हो रहे हैं। इन संसाधनों की भरपाई इतनी आसानी से नहीं की जा सकती। अगर जनसंख्या वृद्धि पर कोई रोक नहीं लगाई गई तो अगले कुछ सालों में एक दिन ऐसा आएगा जब ये प्राकृतिक संसाधन पूरी तरह से खत्म हो जाएँगे।जनसंख्या वृद्धि के कारण जलवायु परिस्थितियों पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है। मानवीय गतिविधियाँ वैश्विक तापमान में परिवर्तन के लिए जनसंख्या वृद्धि जिम्मेदार हैं।संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों जैसे अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का उद्देश्य गरीबी को कम करना, स्वास्थ्य सेवा में सुधार करना और लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है। जबकि जनसंख्या वृद्धि प्रगति को गति दे सकती है, यह संसाधनों और पर्यावरण पर भी दबाव डालती है। विकास को संधारणीय रूप से प्रबंधित करने और सभी के लिए समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करने के लिए एक समन्वित, बहुआयामी दृष्टिकोण आवश्यक है।पृथ्वी की वर्तमान जनसंख्या लगभग 7.6 बिलियन लोग हैं, और यह बढ़ रही है। 2025 तक इसकी संख्या 8 बिलियन, 2040 तक 9 बिलियन और 2100 तक 11 बिलियन से अधिक होने की उम्मीद है। जनसंख्या तेज़ी से बढ़ रही है, जो मौजूदा आदतों को देखते हुए इसे बनाए रखने की हमारी ग्रह की क्षमता से कहीं अधिक है।अधिक जनसंख्या कई तरह के हानिकारक

पर्यावरणीय और आर्थिक परिणामों से जुड़ी हुई है, जिसमें अत्यधिक खेती, वनों की कटाई और जल प्रदूषण शामिल है, जैसा कि हम जानते हैं। जनसंख्या वृद्धि को संबोधित करने के लिए प्रभावी नीतियों और वैश्विक सहयोग की आवश्यकता है। मुख्य कदमों में परिवार नियोजन कार्यक्रमों को लागू करना, लड़कियों और महिलाओं को प्रजनन दर कम करने के लिए शिक्षित करना और संधारणीय जीवन सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य सेवा में सुधार करना शामिल है। सरकारों को छोटे परिवारों को प्रोत्साहित करना चाहिए और पर्यावरण के अनुकूल शहरी नियोजन, किफायती आवास और स्वच्छ जल तक पहुँच जैसे संधारणीय बुनियादी ढाँचे में निवेश करना चाहिए। इसके अलावा, जनसंख्या वृद्धि गरीबी, बेरोजगारी और शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा तक अपर्याप्त पहुंच जैसे मुद्दों को बढ़ाती है। बड़ी आबादी वाले देश अक्सर बुनियादी सेवाएं प्रदान करने के लिए संघर्ष करते हैं, जिससे असमानता और सामाजिक अशांति होती है।इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए, स्थायी जनसंख्या नियंत्रण उपायों को लागू करना महत्वपूर्ण है। शिक्षा, परिवार नियोजन और परिवार के आकार को सीमित करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने से विकास दर को रोकने में मदद मिल सकती है। अंततः, जनसंख्या वृद्धि और संसाधन प्रबंधन के बीच संतुलन बनाना आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने की कुंजी है।

संपादकीय

खून खराबे का खेल

एक बार फिर पंजाब देश-विदेश से संचालित आपराधिक गैंगों और आतंकवादियों के निशाने पर आ गया है। संगठित आपराधिक गिरोहों द्वारा आम-खास लोगों को शिकार बनाये जाने की घटनाएं जब-तब सामने आती रहती हैं। हाल ही में एक पृथकतावादी संगठन के सक्रिय आतंकी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया का अमेरिका से प्रत्यर्पण इस बात की याद दिलाता है कि राज्य में चरमपंथी विचारधारा का साया कितना गहरा बना हुआ है। आरोप है कि करीब चौदह ग्रेनेड हमलों को अभियुक्त ने अंजाम दिया। पाकिस्तान की कुख्यात खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर काम करने वाले अभियुक्त पासिया की भारत वापसी निस्संदेह आगे की जांच में मददगार साबित होगी। इससे भारत विरोधी गतिविधियों में पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठानों के काले अध्याय फिर सामने आने की भी उम्मीद जगी है। इस प्रकरण के उजागर होने से एक बार फिर स्पष्ट हुआ है कि कैसे पंजाब को भारत विरोधी ताकतों द्वारा विदेशों से निशाना बनाया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर राज्य में गैंगस्टरों द्वारा की जा रही हिंसा में खतरनाक ढंग से वृद्धि देखी जा रही है। अबोहर के व्यवसायी संजय वर्मा की दिनदहाड़े हुई हत्या और मोगा में अभिनेत्री तानिया के डॉक्टर पिता की उनके क्लीनिक में गोली मारकर की गई निर्मम हत्या ने इस बात को उजागर किया कि संगठित आपराधिक नेटवर्क कितनी आसानी से काम कर रहे हैं। हमलावरों द्वारा सार्वजनिक रूप से मरीज बनकर डाक्टर को गोली का निशाना बनाना आपराधिक दुस्साहस को ही उजागर करता है। जो बताता है कि अपराधियों में कानून व पुलिस का खौफ नजर नहीं आता। यह समाज वैज्ञानिकों के लिये भी गंभीर मंथन का विषय है कि राज्य का समाज इस गहरी अस्वस्थता का शिकार क्यों है। निश्चित रूप से समाज में आर्थिक विसंगतियां और सामाजिक विद्रूपताएं अपराध की राह खोल रही हैं। वहीं दूसरी ओर, राज्य में शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी, नशे की लत, अशांत बचपन, गरीबी, विषैली राजनीति और रातों-रात अमीर बनने की लालसा कई पंजाबी युवाओं को अपराध की अंधी गली की ओर धकेल रही है। ऐसा भी नहीं है कि बेरोजगारी व अन्य सामाजिक विसंगतियां देश के अन्य राज्यों में नहीं हैं। नशा एक राष्ट्रीय संकट बनता जा रहा है। सवाल ये कि हमारा शासन-प्रशासन इन अपराधों से किस तरह निबटता है। विडंबना यह भी है कि सोशल मीडिया पर हो रही चर्चा में गैंगस्टरों का महिमामंडन आग में घी डालने का काम कर रहा है। निस्संदेह, अपराध का रास्ता कई युवाओं को आकर्षित करता है, लेकिन एक हकीकत यह भी है कि इस राह से गुजरने के बाद मुख्यधारा में लौटना असंभव है। अपराधी फिर कभी सामान्य जीवन नहीं जी सकता। लेकिन इसके बावजूद शासन-प्रशासन को राज्य में उन सामाजिक-आर्थिक विसंगतियों को प्राथमिकता के आधार पर संबोधित करने की सख्त जरूरत है, जो अपराध को बढ़ावा देते हैं। उन विभागीय काली भेड़ों की भी सख्त निगरानी की जरूरत है जो अपराधियों के अपवित्र गठबंधन में मददगार होती हैं। हालांकि, पंजाब पुलिस ने कुछ गिरफ्तारियां और मुठभेड़ें की हैं, लेकिन ये महज एक प्रतिक्रियात्मक कदम मात्र है। इस बड़े संकट से निपटने के लिये एक निरंतर, व्यवस्थित व कारगर रणनीति बनाने की जरूरत है। वहीं कानून प्रवर्तन एजेंसियों को मजबूत बनाने की दरकार है। इसके साथ ही शिक्षा प्रयासों का विस्तार करने, पुनर्वास और न्यायिक प्रक्रियाओं को भी तेज करने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त केंद्र की एनआईए जैसी एजेंसियों के साथ तालमेल से राज्य की एजेंसियों को अपराधियों पर शिकंजा कसने में मदद भी मिल सकती है।

वन्यजीव संकटः टूटती पारिस्थितिकी की कड़ी!

(लेखिका- सोनम लववंशी)

हमारे देश में 1 जुलाई से 7 जुलाई तक मनाया जाने वाला 'वन महोत्सव' केवल औपचारिकता बन कर न रह जाए, इसके लिए अब गहराई से चिंतन की आवश्यकता है। इस उत्सव का मूल उद्देश्य वनों की सुरक्षा और संरक्षण को लेकर जागरूकता फैलाना है। क्या एक सप्ताह की सक्रियता हमारे घटते वनों की पीड़ा को शांत कर सकती है? भारत एक समय हराभरा देश था। आज ये हरियाली लगातार सिकुड़ती जा रही है। भारतीय वन सर्वेक्षण 2023 की रिपोर्ट के अनुसार देश में कुल वन क्षेत्र लगभग 80.73 मिलियन हेक्टेयर है, जो कि भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का मात्र 24.62 प्रतिशत है। यह आंकड़ा सुनने में बड़ा प्रतीत होता है। जब यह ज्ञात होता है कि इसमें से 12 फीसदी से अधिक क्षेत्र केवल स्क्रब, झाड़ियाँ या क्षतिग्रस्त वन भूमि है, तब स्थिति की गंभीरता स्पष्ट हो जाती है। वैश्विक औसत के मुकाबले भारत वन आच्छादन में अब भी पीछे है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, किसी देश का कम से कम 33 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित होना चाहिए। हमारा लक्ष्य अब भी अधूरा है। वन केवल हरियाली नहीं हैं, ये एक जटिल परिस्थकीय तंत्र का हिस्सा हैं। वन पृथ्वी के फेफड़े हैं, जो वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड लेकर हमें प्राणवायु ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। वनों के कारण वर्षा होती है, मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है, भूजल स्तर संतुलित रहता है और जैव विविधता संरक्षित होती है। भारत जैसे देश में जहां कृषि मुख्य व्यवसाय है, वहां वनों का विनाश सीधे तौर पर किसान की आजीविका से जुड़ा होता है। वन कटने से मिट्टी का कटाव बढ़ता है। जल स्रोत सूखने लगते हैं। इसका असर खाद्य उत्पादन, पशुपालन और ग्रामीण जीवन की स्थिरता पर गहरा पड़ता है।

आर्थिक विकास के नाम पर सड़कें, रेललाइन, बिजली परियोजनाएं और उद्योग वनों को निगल रहे हैं। पिछले एक दशक में भारत में विकास परियोजनाओं के चलते 14,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक वन क्षेत्र साफ किया गया है। कई बार यह कटाई उस पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट कर देती है, जिसे बनने में सैकड़ों साल लगे थे। उदाहरण के तौर पर मध्य भारत के जंगलों में पाए जाने वाले बाघ, हाथी, गौर, और अन्य कई प्रजातियों का आवास क्षेत्र सीमित होता जा रहा है। जैव विविधता का यह संकट केवल वन्यजीवों का नहीं, मानव जाति का भी है। बढ़ती वन कटाई और अवैध शिकार का एक दर्दनाक प्रमाण देश में बाघों की लगातार हो रही मौतें हैं। वर्ष 2025 के पहले छह महीनों में ही 107 बाघ अपनी जान गंवा चुके हैं, जिनमें 20 मासूम शावक भी शामिल हैं। यह संख्या पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत अधिक है और बीते पाँच वर्षों में सबसे भयावह आँकड़ा है।

वर्ष 2021 से अब तक देश में 666 बाघ मृत पाए गए हैं। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में सबसे अधिक मौतें दर्ज हुई हैं, जो बताता है कि जंगलों का सिकुड़ता दायरा और मानवीय दखल अब उन प्रजातियों को भी निगल रहा है, जिन्हें हमने कभी 'राष्ट्रीय गौरव' कहा था। वैसे भी जब एक पारिस्थितिक तंत्र नष्ट होता है, तो उसकी कड़ी में जुड़े सभी अंग प्रभावित होते हैं जिनमें हम भी शामिल हैं। वनों के संरक्षण के लिए सरकारें पौधरोपण अभियान चलाती हैं। प्रश्न यह है कि क्या यह पर्याप्त है? बरसात के मौसम में लगाए गए पौधे जीवित भी रह पाएँ, इसके लिए देखरेख और स्थानीय लोगों की सहभागिता आवश्यक है। आंकड़ों के अनुसार, भारत में लगाए गए लगभग 60 प्रतिशत पौधे पहले दो वर्षों में ही सूख जाते हैं या नष्ट हो जाते हैं। इसका कारण केवल जलवायु नहीं है। प्रशासनिक लापरवाही, देखरेख की कमी और जनमानस में स्वामित्व की भावना का अभाव भी इसकी वजहें हैं।

'चिपको आंदोलन' की तरह आज फिर से एक जनआंदोलन की ज़रूरत है। सोशल मीडिया पर पर्यावरण बचाने की बातें करने से आगे बढ़ना होगा। स्थानीय स्तर पर पौधे लगाने, उन्हें संरक्षित करने और जंगलों को बचाने के ठोस प्रयास करने होंगे। वनों का संकट केवल वन विभाग का विषय नहीं है। यह पूरे समाज का प्रश्न है। वनों को बचाने के लिए नीति निर्धारण में आम जनता की भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। केवल शहरी क्षेत्रों में पौधरोपण कर लेने से पर्यावरण नहीं बचेगा। ग्रामीण और वनवासी क्षेत्रों में मौजूद प्राकृतिक वनों की रक्षा ज़रूरी है। वनवासी समुदायों का पारंपरिक ज्ञान, जंगल से उनका संबंध, और उनकी जीवनशैली को संरक्षण के केंद्र में लाना होगा। वन महोत्सव का यह सप्ताह महज एक उत्सव नहीं है। यह एक चेतावनी है। समय रहते नहीं चेते तो सांस लेने के लिए हवा भी बाजार में बिकेगी और पानी की एक-एक बूँद के लिए संघर्ष होगा। यह स्वीकार करना होगा कि वन हमारे लिए नहीं, हम वनों के लिए हैं। जब तक यह भाव मन में नहीं आएगा, तब तक कोई भी वन महोत्सव केवल औपचारिक रस्म बनकर रह जाएगा।

(चिंतन- मनन)

विवेक ही धर्म है

युग के आदि में मनुष्य भी जंगली था। जब से मनुष्य ने विकास करना शुरू किया, उसकी आवश्यकताएं बढ़ गई। आवश्यकताओं की पूर्ति न होने से समस्या ने जन्म लिया।समस्या सामने आई तब समाधान की बात सोची गई। समाधान के स्तर दो थे- पदार्थ-जगत, मनो-जगत. प्रथम स्तर पर पदाथरे के सुनियोजित उत्पादन और उनकी व्यवस्था को आकार मिला। दूसरा स्तर मानसिक था। इस जगत की समस्याएं थी अपरिमार्जित वृत्तियां, असंतुलन और तनाव। इन समस्याओं को समाहित करने के लिए धर्म की खोज हुई। धर्म का अर्थ है पारंपरिक मूल्य-मानकों से परे हटकर मनुष्य को सत्य की दिशा में अग्रसर करना। जब तक धर्म अपने इस परिवेश में रहता है, तब तक वह रूढ़ नहीं हो सकता। पर उद्देश्य की विस्मृति के साथ ही उसमें रूढ़ता आ जाती ह। रूढ़ धर्म को व्यक्ति अपने जीवंत संदभरे से काटकर परलोक के साथ जोड़ देता है। बस यहीं से धर्म में विकृति का प्रवेश होने लगता है। मैं ऐसा सोचता हूं कि धर्म का संबंध हमारी हर सांस से होना चाहिए। ऐसा वे ही व्यक्ति कर सकते हैं जो अपने जीवन की सतह पर दौड़-धूप कर रहे हैं। या फिर यह उन लोगों का काम है जो जीवन की गहराइयों में उतरकर अध्यात्म के प्रति समर्पित हो जाते हैं। जीवन की सतह पर जीने वाले व्यक्ति धर्म की गहराई में नहीं उतर सकते, किंतु अध्यात्म के प्रयोक्ता की दृष्टि से वह गहराई छिपी नहीं रह सकती। जो व्यक्ति उतनी गहराई में उतरे, उन्हें धर्म की विकृतियों का बोध हुआ। जो धर्म मन को समाधान देने वाला था, वह स्वयं समस्या बनकर उभर गया। इस दृष्टि से उसमें संशोधन व परिवर्तन की अपेक्षा अनुभव हुई। अणुव्रत उसी आवश्यकता का आविष्कार है। यदि धर्म एक समस्या बनकर सामने नहीं आता तो उसे अणुव्रत के रूप में प्रस्तुति देने का कोई अर्थ ही नहीं था। अणुव्रत धर्म के साथ विवेक की अपरिहार्यता पर बल देता है। आगम की भाषा में विवेक ही धर्म है।

विचार मंथन

आठवें वेतन आयोग का इंतजार, तीन गुना वेतनवृद्धि?

(लेखक- सनत जैन)

दिल्ली विधानसभा चुनाव के समय केंद्र सरकार ने आठवें वेतन आयोग के गठन की घोषणा की थी। दिल्ली विधानसभा के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को इसका बड़ा फायदा हुआ था। दिल्ली में आम आदमी पार्टी रुखसत हो गई। भाजपा सत्ता मे आ गई। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा इस वर्ष की शुरुआत में कहा गया था। वह दिल्ली विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद, केंद्रीय वेतन आयोग का गठन करेगी। दिल्ली में भाजपा की सरकार भी बन गई है इसके बाद भी अभी तक 7वें वेतन आयोग की अधिकृत घोषणा नहीं की गई है। नाही वेतन आयोग के अध्यक्ष और आयोग के सदस्यों की घोषणा हुई। केंद्र सरकार के सभी कर्मचारियों को आठवें वेतन आयोग का इंतजार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आठवें वेतन आयोग के गठन की बात कही थी। कर्मचारियों को लग रहा है, जल्द ही आयोग के गठन की अधिसूचना जारी होगी। 2027 तक आठवें वेतन आयोग की अनुशंसा लागू हो जाएंगी। केंद्रीय कर्मचारियों को जिन्हें वर्तमान में 18000 रुपये मूल वेतन प्राप्त हो रहा है, उन्हें 51480 रुपए तक का लाभ हो सकता है। लेवल 2 के कर्मचारी जिनका वेतन 19000 है, वह बढ़कर 56914 रुपए हो सकता है। लेवल 3 के कर्मचारियों का वेतन 21700 से बढ़कर 62062 रुपए हो सकता है। लेवल 6 का मूल वेतन अभी 35400 है, जो बढ़कर 100000 रूपये के आसपास हो सकता है। इससे आईपीएस, आईएएस अधिकारियों सहित स्तर 10 तक के अधिकारियों को इसका बड़ा लाभ होना तय है। केंद्रीय वेतन आयोग जो अनुशंसा करता है। उसके अनुसार भारत सरकार केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन ढांचे को संशोधित कर मूल वेतन और भत्तों में वृद्धि करती है। केंद्र सरकार द्वारा जब वेतन आयोग की अनुशंसा लागू कर दी जाती है, उसके बाद राज्यों में भी सरकारी कर्मचारियों के मूल वेतन ओर भत्तों में वृद्धि होती है। अभी 2016 मे गठित 7वें वेतन आयोग की अनुशंसा के अनुसार केंद्रीय कर्मचारियों और कुछ राज्यों के कर्मचारियों को वेतन भत्तों का लाभ मिल रहा है। सरकारी कर्मचारियों द्वारा आठवें वेतन आयोग का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। राज्यों के भी सरकारी कर्मचारी वेतन आयोग के गठन को लेकर आसान्वित हैं। जैसे ही आठवें वेतन आयोग का गठन होगा, उसके बाद केंद्र के साथ-साथ राज्यों के अधिकारियों और कर्मचारियों के वेतनमान में वृद्धि होगी। वर्तमान में वेतनमान का मानक स्तर सातवें वेतन आयोग के अनुसार 2.57 था। केंद्रीय कर्मचारियों को उम्मीद है, यह बढ़कर 2.86 मानक स्तर हो जाएगा। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के ऊपर वेतन और पेंशन का बोझ लगातार बढ़ता चला जा रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकारों के ऊपर सबसे ज्यादा बोझ पेंशन का है। वेतन आयोग की सिफारिश के बाद पेंशन में भी वृद्धि होती है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के ऊपर लगातार कर्ज बढ़ता चला जा रहा है।

राज्यों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। केंद्र एवं राज्य सरकारों के ऊपर ब्याज का बोझ लगातार बढ़ रहा है। केंद्र सरकार ने 6 महीने पहिले वेतन आयोग के गठन की घोषणा की थी। उसके बाद भी अभी तक आठवें वेतन आयोग के गठन की अधिसूचना जारी नहीं हुई है। दिल्ली विधानसभा चुनाव के पहले केंद्रीय कर्मचारियों को प्रभावित करने के लिए उस समय इसे चुनावी हथकंडा माना गया था। इस साल के अंत में बिहार विधानसभा के चुनाव होने जा रहे हैं।

अगले साल 6 राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं। वेतन आयोग का मामला राज्यों से भी जुड़ा होता है। केंद्र में जब वेतन और भत्ते बढ़ते हैं, उसके बाद राज्यों में भी वेतन, पेंशन और भत्तों में वृद्धि होती है। केंद्र सरकार द्वारा जल्द ही आठवें वेतन आयोग की घोषणा नहीं की गई, तो इसका असर आगामी विधानसभा के चुनावों में पड़ना तय है। केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारी दबाव बना रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 24 पैसे की बढ़त के साथ बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने से रुपया शुरुआती कारोबार में 22 पैसे चढ़कर 85.72 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी पूंजी के प्रवाह और सकारात्मक घरेलू शेयर बाजार से स्थानीय मुद्रा को और बल मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.75 पर खुला। फिर 85.72 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 22 पैसे की बढ़त दिखाता है। वहीं रुपया सोमवार को 54 पैसे की भारी गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.94 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 फीसदी की गिरावट के साथ 97.29 पर आ गया।

अदाणी ने 4,000 करोड़ में खरीदी दिवालिया बिजली कंपनी

अब क्षमता बढ़कर हुई 18,150 एमडब्ल्यू

नई दिल्ली।

अदाणी पावर लिमिटेड ने विदर्भ इंडस्ट्रीज पावर लिमिटेड (वीआईपीएल) का अधिग्रहण कर लिया है। यह अधिग्रहण 4,000 करोड़ रुपए में किया गया है। वीआईपीएल लि 2गु णित 300 मेगावॉट की कोयला आधारित थर्मल पावर प्रोजेक्ट है जो बुटीबोरी, नागपुर (महाराष्ट्र) में स्थित है। वीआईपीएल दिवालिया प्रक्रिया के तहत थी, जिसे इंसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड के तहत चलाया जा रहा था। अदाणी पावर की समाधान योजना को मुंबई एनसीएलटी ने 18 जून 2025 को मंजूरी दी थी। इसके बाद, यह योजना 7 जुलाई 2025 को लागू कर दी गई। इस अधिग्रहण के साथ अदाणी पावर की कुल उत्पादन क्षमता अब 18,150 मेगावॉट हो गई है। कंपनी अब बेस लोड पावर की क्षमता को बढ़ाने के लिए कई और प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही है। इनमें 6 अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट्स (1,600 एमडब्ल्यू प्रत्येक) शामिल हैं जो मध्य प्रदेश (सिंगरौली-महान), छत्तीसगढ़ (रायपुर, रायगढ़, कोरबा), राजस्थान (कवाई) और उत्तर प्रदेश (मिर्जापुर) में बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा, 1,320 मेगावॉट की एक और अधिग्रहित परियोजना कोरबा में भी फिर से शुरू की जा रही है। इन सभी योजनाओं के साथ कंपनी का लक्ष्य है कि वह 2030 तक कुल 30,670 मेगावॉट की क्षमता हासिल कर ले।

अब यूपीआई ऐप खोले बगैर स्मार्ट उपकरण से कर सकेंगे भुगतान

नई दिल्ली।

भारत की तत्काल भुगतान प्रणाली यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का स्मार्ट अपग्रेड करने की योजना बनाई गई है। इससे बैंकिंग ऐप या यूपीआई ऐप खोले बगैर आपके स्मार्ट उपकरण जैसे टीवी, स्मार्टवॉच, कार आदि से भुगतान हो जाएगा। सूत्रों के अनुसार भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) यूपीआई का इंटरनेट-ऑफ-थिंग्स (आईओटी) तैयार संस्करण विकसित कर रहा है जो स्मार्ट उपकरणों, वेयरेबल आइटम, कनेक्टेड मोबिलिटी आदि के माध्यम से स्वचालित भुगतान की सुविधा प्रदान करेगा। घटनाक्रम से अवगत दो सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। इस अपग्रेड के साथ रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, कनेक्टेड कार और यहां तक कि स्मार्टवॉच जैसे स्मार्ट उपकरण खुद से यूपीआई भुगतान कर देंगे। फिलहाल उपयोगकर्ता मोबाइल फोन का उपयोग करके यूपीआई लेनदेन करते हैं। नए फीचर उपकरणों को एक अलग वर्चुअल पेमेंट एड्रेस (वीपीए) का उपयोग करके भुगतान प्रोसेस करने की सुविधा मिलेगी और यह उपयोगकर्ता की प्राथमिक यूपीआई आईडी से जुड़ा होगा।

अमेरिका ने जवाबी शुल्क निलंबन बढ़ाया

भारतीय निर्यातकों को मिली अस्थायी राहत

नई दिल्ली।

अमेरिका ने भारत सहित कुछ देशों पर प्रस्तावित जवाबी शुल्क को 1 अगस्त तक टाल दिया है, जिससे भारतीय निर्यातकों को अस्थायी राहत मिली है। यह निर्णय पहले लागू 90 दिवसीय निलंबन की अवधि 9 जुलाई को समाप्त होने से ठीक पहले लिया गया है। अब भारत और अमेरिका को द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने के लिए अतिरिक्त समय मिल गया है। ट्रंप प्रशासन ने बांग्लादेश, कंबोडिया, जापान, दक्षिण कोरिया जैसे देशों को शुल्क से संबंधित पत्र भेजे हैं, पर भारत को इस सूची में शामिल नहीं किया गया है। यह दर्शाता है कि अमेरिका फिलहाल भारत के साथ रचनात्मक संवाद बनाए रखना चाहता है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन के महानिदेशक ने कहा कि यह विस्तार हमारे वार्ताकारों को विवादित मुद्दों को सुलझाने का अवसर देता है। वहीं व्यापार विशेषज्ञ विश्वजीत धर ने इसे भारत के लिए रणनीतिक सफलता बताया। मुंबई के एक निर्यातक ने

आगाह किया कि यह राहत बहुत छोटी है और भारत को वैकल्पिक बाजारों की खोज शुरू कर देनी चाहिए, क्योंकि अमेरिकी नीति में अनिश्चितता बनी हुई है। भारत और अमेरिका के बीच 2024-25 में 131.84 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ, जिसमें भारत को 41.18 अरब डॉलर का व्यापार अधिशेष प्राप्त हुआ। यह निलंबन व्यापारिक संबंधों में सुधार की संभावनाओं को बढ़ाता है।

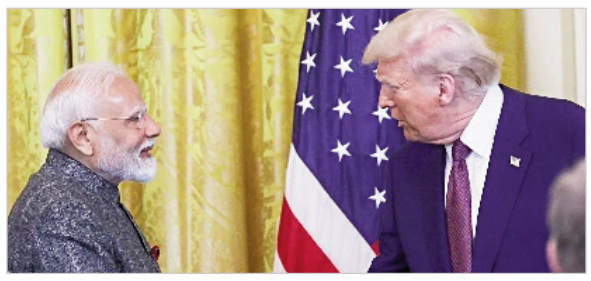

सोभा की पहली तिमाही में बिक्री बुकिंग बढ़कर 2079 करोड़ रही

बेंगलुरु।

रियल एस्टेट कंपनी सोभा ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में 11 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,078.8 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग दर्ज की। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में 1,873.7 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल की थी। सोभा लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि अप्रैल-जून अवधि में उसने 14.44 लाख वर्ग फुट क्षेत्र बेचा जबकि पिछले साल उसने 11.75 लाख वर्ग फुट क्षेत्र की बिक्री की थी। अप्रैल-जून तिमाही में 10.7 लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र पूरा किया और विभिन्न परियोजनाओं में 594 मकानों को ग्राहकों को सौंपा। देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक सोभा ने अपनी स्थापना के बाद से करीब 14.5 करोड़ वर्ग फुट का निर्माण किया है। कंपनी की उपस्थिति 13 शहरों में है।

सीडीएससीओ ने जारी की 17 खतरनाक दवाओं की सूची

फ्लश करने की दी सलाह, गलत तरीके से इस्तेमाल होने पर हो सकती हैं जानलेवा

नई दिल्ली।

कई बार इमरजेंसी में खरीदी गई दवाएं बिना इस्तेमाल के घर में पड़ी रहती हैं और समय के साथ एक्सपायर हो जाती हैं। अधिकतर लोग इन्हें कूड़ेदान में फेंक देते हैं, लेकिन कुछ दवाएं इतनी खतरनाक होती हैं कि उनका गलत हाथों में जाना जानलेवा साबित हो सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए भारत की शीर्ष दवा नियामक संस्था सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (सीडीएससीओ) ने हाल ही में 17 संवेदनशील दवाओं की सूची जारी की है, जिन्हें अगर घर में पड़ी हों और उपयोग में नहीं आ रही हों, तो तुरंत टॉयलेट में फ्लश कर देना चाहिए। इन दवाओं में फेंटेनिल, ट्रामाडोल, मॉर्फिन सल्फेट, बुप्रेनॉर्फिन, मिथाइलफेनिडेट, टापेन्टाडोल, ऑक्सीकोडोन और डायजेपाम जैसे शक्तिशाली पेनकिलर और एंटी-एंग्जायटी ड्रग्स शामिल हैं। ये सभी नशे की लत पैदा कर सकती हैं और गलत तरीके से इस्तेमाल होने पर जानलेवा हो सकती हैं। सीडीएससीओ ने यह भी स्पष्ट किया है कि इन 17 दवाओं को छोड़कर अन्य सामान्य दवाओं को टॉयलेट में फ्लश करना पर्यावरण के लिए हानिकारक हो सकता है। इसके लिए ड्रग टेक-बैक जैसी वैज्ञानिक और पर्यावरण-अनुकूल पहल अपनाने का सुझाव दिया गया है, जिसमें राज्य औषधि विभाग और स्थानीय केमिस्ट शामिल हो सकते हैं। एआईआईएमएस की एक स्टडी के अनुसार, दवाओं को डस्टबिन में फेंकने से वे जल स्रोतों में पहुंचकर मल्टी-ड्रग रेसिस्टेंट बैक्टीरिया को जन्म देती हैं, जो न इंसानों के लिए खतरा हैं, न ही जलीय जीवन के लिए सुरक्षित।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 270 और निफ्टी 61 अंक उछला

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 270.01 अंकों की बढ़त के साथ ही 83,712.51 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी इंडेक्स भी 61.20 अंकों की तेजी के साथ ही 25,522.50 अंकों पर बंद हुआ। गत दिवस बाजार सपाट बंद हुआ था।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से 18 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि शेष सभी 12 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये। इसी प्रकार निफ्टी की 50 में से 27 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ही ऊपर आये जबकि शेष सभी 23 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर सबसे ज्यादा 3.40 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए जबकि टाइटन के शेयर आज सबसे ज्यादा 6.17 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में आज एशियन पेंट्स 1.69 फीसदी , एनटीपीसी 1.64 फीसदी , बीईएल 1.20 फीसदी , अडाणी पोर्ट्स 0.94 फीसदी , एसबीआई 0.72 फीसदी , एचडीएफसी बैंक 0.72 फीसदी , इंफोसिस 0.69 फीसदी , एलएंडटी 0.68 फीसदी , टेक महिंद्रा 0.64 फीसदी , टाटा मोटर्स 0.64 फीसदी , पावरग्रिड 0.63 फीसदी , अल्ट्राटेक सीमेंट 0.55 फीसदी , बजाज फिनसर्व 0.54फीसदी , आईसीआईसीआई बैंक 0.42 फीसदी , बजाज फाइनेंस 0.31 फीसदी बढ़त के

साथ बंद हुए।

वहीं दूसरी ओर ट्रेंट के शेयर में 1.12 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.85 फीसदी, मारुति सुजुकी 0.81 फीसदी, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.72 फीसदी, सनफार्मा 0.41 फीसदी, टाटा स्टील 0.28 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज 0.16 फीसदी, टीसीएस 0.16 फीसदी, भारती एयरटेल 0.11 फीसदी, एचसीएल टेक 0.11 फीसदी ।

इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों में बढ़त के बीच ही घरेलू बाजार गिरावट के साथ लगभग सपाट स्तर पर खुला। अमेरिकी व्यापार नीतियों पर अनिश्चितता के कारण निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया । सेंसेक्स 50 से ज्यादा अंक की गिरावट लेकर 83,387.03 पर खुला जो 10.05 अंक की गिरावट लेकर 83,432.45 पर कारोबार कर रहा था।

इसी तरह निफ्टी-50 भी मामूली गिरावट के साथ लाल निशान में लगभग सपाट लेवल 25,427.85 पर खुला । एशियाई बाजार मिलीजुली शुरुआत के बाद बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। जापान के निक्केई 225 बेंचमार्क में 0.21 फीसदी की बढ़त रही।

सोना गिरा, चांदी की कीमतों में उछाल

सोने के भाव 97,100 रुपए, जबकि चांदी लगभग 1,08,400 रुपए प्र ति किलो

नई` दिल्ली (ईएमएस)। सोने के वायदा कारोबार की शुरुआत नरमी के साथ हुई जबकि चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मंगलवार को सोने के भाव 97,100 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,08,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन सोने के भाव बाद में गिर गए। सोने के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 98 रुपये की गिरावट के साथ 97,172 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 97,270 रुपये था।` फिलहाल यह ~152 रुपये की गिरावट के साथ 97,118 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 177 रुपये की तेजी के साथ 1,08,498 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,08,321 रुपये था। अभी यह 117 रुपये की तेजी के साथ 1,08,438 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 3,348.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर

खुला। पिछला बंद भाव 3,342.80 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 1.10 डॉलर की गिरावट के साथ 3,341.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 36.95 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 36.90 डॉलर था। इस समय यह 0.15 डॉलर की तेजी के साथ 37.05 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

मोबाइल प्लान होंगे महंगे, मीडियम और प्रीमियम यूजर्स होंगे प्रभावित

नई दिल्ली।

मोबाइल यूजर्स के लिए साल के अंत तक टैरिफ का झटका आ सकता है। टेलीकॉम कंपनियां कॉल और डेटा प्लान में 10-12 फीसदी तक की बढ़ोतरी करने की तैयारी में हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह वृद्धि मुख्य रूप से मीडियम और हाई-वैल्यू ग्राहकों पर केंद्रित होगी, जबकि लो-वैल्यू यूजर्स पहले ही कीमतों की मार झेल चुके हैं। मई 2025 में देश में 74 लाख नए एक्टिव यूजर्स जुड़े, जो पिछले 29 महीनों में सबसे बड़ी मासिक वृद्धि है। यह लगातार पांचवां महीना है जब यूजर बेस में इज़ाफा हुआ है। इससे कंपनियों को टैरिफ बढ़ाने का आत्मविश्वास मिला है। जुलाई 2024 में कंपनियों ने बेस प्लान में 11 से 23 फीसदी तक की बढ़ोतरी की थी, जिसके चलते 2.1 करोड़ यूजर्स ने सेवाएं छोड़ दी थीं। हालांकि, अब एक बार फिर यूजर ग्रोथ तेज हो गई है, जिससे कंपनियां दोबारा कीमतें बढ़ाने पर विचार कर रही हैं। रिलायंस जियो ने मई में सबसे ज्यादा 55 लाख नए एक्टिव यूजर्स जोड़े और उसका बाजार शेयर 53 फीसदी तक पहुंच गया। वहीं एयरटेल ने 13 लाख नए यूजर्स जोड़कर 36 फीसदी हिस्सा हासिल किया। विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि कंपनियां केवल प्लान की कीमत नहीं बढ़ाएंगी, बल्कि डेटा लिमिट घटाकर अप्रत्यक्ष रूप से भी टैरिफ महंगे कर सकती हैं। इससे यूजर्स को अतिरिक्त डेटा पैक खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया को मिले नए अध्यक्ष और सीईओ हरदीप सिंह बरार

गुरुग्राम।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने हरदीप सिंह बरार को अपना नया अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की घोषणा की है। यह नियुक्ति 1 सितंबर से प्रभावी होगी। बरार, विक्रम पावाह की जगह लेने वाले हैं, जो अब बीएमडब्ल्यू ग्रुप ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का पदभार संभालने वाले है।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप के एशिया-प्रशांत, पूर्वी यूरोप, मध्य पूर्व और अफ्रीका क्षेत्र के वरिष्ठ उपाध्यक्ष, जीन-फिलिप पैरेन ने नियुक्ति पर कहा कि भारत बीएमडब्ल्यू ग्रुप के लिए सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है और उनकी दीर्घकालिक सफलता की रणनीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। उन्होंने कहा कि बरार के पास इस गतिशील बाजार का नेतृत्व करने और बीएमडब्ल्यू ग्रुप के संचालन को मजबूत करने के लिए व्यापक विशेषज्ञता और भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग की गहरी समझ है। बरार भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग में 30 से अधिक वर्षों का समृद्ध अनुभव रखते हैं, उन्होंने कई वरिष्ठ प्रबंधन पदों पर काम किया है। हाल ही में उन्होंने किआ इंडिया में सेल्स और मार्केटिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया था। बीएमडब्ल्यू, मिनी और मोटरराड के साथ, बीएमडब्ल्यू ग्रुप ने भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार के प्रीमियम क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत की है। बीएमडब्ल्यू इंडिया बीएमडब्ल्यू

ग्रुप की 100 प्रतिशत सहायक कंपनी है और इसका मुख्यालय गुरुग्राम (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में है। बीएमडब्ल्यू इंडिया ने 2007 में परिचालन शुरू किया था। जनवरी 2012 में लांच होने के बाद से मिनी ने भारत में प्रीमियम स्मॉल कार ब्रांड के रूप में खुद को सफलतापूर्वक स्थापित किया है।

अमेरिका ने जवाबी शुल्क निलंबन बढ़ाया

भारतीय निर्यातकों को मिली अस्थायी राहत

नई दिल्ली।

अमेरिका ने भारत सहित कुछ देशों पर प्रस्तावित जवाबी शुल्क को 1 अगस्त तक टाल दिया है, जिससे भारतीय निर्यातकों को अस्थायी राहत मिली है। यह निर्णय पहले लागू 90 दिवसीय निलंबन की अवधि 9 जुलाई को समाप्त होने से ठीक पहले लिया गया है। अब भारत और अमेरिका को द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने के लिए अतिरिक्त समय मिल गया है। ट्रंप प्रशासन ने बांग्लादेश, कंबोडिया, जापान, दक्षिण कोरिया जैसे देशों को शुल्क से संबंधित पत्र भेजे हैं, पर भारत को इस सूची में शामिल नहीं किया गया है। यह दर्शाता है कि अमेरिका फिलहाल भारत के साथ रचनात्मक संवाद बनाए रखना चाहता है।

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन के महानिदेशक ने कहा कि यह विस्तार हमारे वार्ताकारों को विवादित मुद्दों को सुलझाने का अवसर देता है। वहीं व्यापार विशेषज्ञ विश्वजीत धर ने इसे भारत के लिए रणनीतिक सफलता बताया। मुंबई के एक निर्यातक ने आगाह किया कि यह राहत बहुत छोटी है और भारत को वैकल्पिक बाजारों की खोज शुरू कर देनी चाहिए, क्योंकि अमेरिकी नीति में अनिश्चितता बनी हुई है। भारत और अमेरिका के बीच 2024-25 में 131.84 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ, जिसमें भारत को 41.18 अरब डॉलर का व्यापार अधिशेष प्राप्त हुआ। यह निलंबन व्यापारिक संबंधों में सुधार की संभावनाओं को बढ़ाता है। यदि जुलाई के अंत तक बीटीए को अंतिम रूप दे दिया जाए, तो यह भारत के निर्यातकों के लिए दीर्घकालिक लाभदायक सिद्ध हो सकता है।

ऐप्पल की नई आईफोन 17 सीरीज जल्द होगी लॉन्च

नई दिल्ली।

ऐप्पल अपनी नई आईफोन 17 सीरीज को सितंबर में लॉन्च कर सकता है। कंपनी चार मॉडल पेश करेगी -आईफोन 17 , आईफोन 17 प्रो ,आईफोन 17 प्रो मैक्स और एक बिल्कुल नया आईफोन 17 स्लीम। सभी मॉडल आईओएस 26 पर चलेंगे, जिसमें नया लिक्विड ग्लास इंटरफेस और कई अनोखे फीचर्स शामिल होंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईफोन 17 प्रो और 17 प्रो मैक्स में लेटेस्ट ए19 प्रो चिपसेट होगा, जिसे टीएसएमसी की थर्ड जनरेशन 3एनएम टेक्नोलॉजी पर तैयार किया गया है। इससे बेहतर परफॉर्मेंस और बैटरी एफिशियंसी की उम्मीद है। डिज़ाइन में भी बड़े बदलाव की चर्चा है। आईफोन 17 प्रो के रियर पैनल पर एप्पल लोगो की जगह थोड़ी नीचे शिफ्ट की जा सकती है, जिससे मेगसेफ मैग्नेट के लेआउट में बदलाव होगा। इस मॉडल में एल्यूमीनियम फ्रेम हो सकता है, जो आईफोन 15 और 16 प्रो के टाइटेनियम फ्रेम से अलग होगा। कैमरा बंप भी बड़ा और रेक्टेंगुलर आकार का होने की संभावना है, हालांकि लेंस का ट्रायंगल लेआउट बरकरार रह सकता है। आईफोन 17 प्रो एक नए स्काई ब्लू रंग में भी आ सकता है। आईफोन 17 प्रो मॉडल्स में 12जीबी रैम मिलने की अफवाह है, जो मौजूदा 8जीबी से ज्यादा है और इससे मल्टीटास्किंग और एआई फीचर्स के इस्तेमाल में मदद मिलेगी। साथ ही, एप्पल अपने खुद के वाय-फाय 7 चिप पर भी काम कर रहा है, जो इन नए आईफोन मॉडल्स में ब्रॉडकॉम चिप्स की जगह ले सकता है। कैमरा सिस्टम में भी अहम अपग्रेड की चर्चा है। फ्रंट कैमरा 12एमपी से बढ़कर 24एमपी का हो सकता है। वहीं, रियर में टेलीफोटो लेंस 12एमपी से 48एमपी तक अपग्रेड होने की उम्मीद है। 8के वीडियो रिकॉर्डिंग सपोर्ट और डुअल वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे फीचर्स भी जोड़े जा सकते हैं।

नया स्मार्टफोन सैमसंग गैलेक्सी एस25 एफई जल्द होगा लांच

नई दिल्ली।

कोरियाई कंपनी सैमसंग अपना नया स्मार्टफोन सैमसंग गैलेक्सी एस25 एफई जल्द लांच कर सकती है। नए स्मार्टफोन के लॉन्च से पहले ही इसके कई अहम फीचर्स सामने आ गए हैं। यह फोन एक्सीनोस 2400 प्रोसेसर और एक्सक्लीप्स 940 जीपीयू के साथ आएगा। इसकी जीपीयू परफॉर्मेंस गीकबेंच के ओपनसीएल टेस्ट में 13776 पॉइंट तक पहुंची है, जिससे साफ है कि इसमें शानदार ग्राफिक्स अनुभव मिलेगा। एआई परफॉर्मेंस की बात करें तो इसे सिंगल प्रिसिजन में 2124, हाफ प्रिसिजन में 2039 और क्वान्टाइज्ड टेस्ट में 3009 का स्कोर मिला है। ऐसे में इसमें लाइव ट्रांसलेशन और इमेज एडिटिंग जैसे एडवांस गैलेक्सी एआई फीचर देखने को मिल सकते हैं। फोन के सॉफ्टवेयर की बात करें तो इसमें ऐंड्रॉयड 16 पर आधारित वनप्लसयूआई 8 आउट ऑफ द बॉक्स मिलेगा। इसमें 8जीबी रैम दी जाएगी। शुरुआत में कयास थे कि इसमें डाइमेंसिटी 9400 चिपसेट होगा, लेकिन अब लगभग पक्का है कि इसका ग्लोबल वेरिएंट एक्सीनोस 2400 प्रोसेसर के साथ आएगा। कैमरा सेटअप भी खास रहने वाला है। इसमें एलईडी फ्लैश के साथ ट्रिपल रियर कैमरा हो सकता है जिसमें 50एमपी का मेन लेंस, 12एमपी का अल्ट्रावाइड और 8एमपी का टेलिफोटो कैमरा शामिल होगा। सेल्फी के लिए इसमें 12एमपी का फ्रंट कैमरा मिलने की संभावना है। बैटरी भी दमदार रहने वाली है 4700 एमएएच की बैटरी 45डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ मिल सकती है। कुल मिलाकर सैमसंग गैलेक्सी एस25 एफई प्रीमियम फीचर्स और पावरफुल परफॉर्मेंस के साथ मिड-रेंज सेगमेंट में जोरदार चुनौती देने वाला स्मार्टफोन बन सकता है। डिस्प्ले की बात करें तो इसमें 6.7 इंच का फुल एचडी+ अमोलेड पैनल दिया जा सकता है, जो 120 एचझेड रिफ्रेश रेट और 2600 निट्स पीक ब्राइटनेस को सपोर्ट करेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विराट की तरह ही हैं शुभमन के आंकड़े

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल की तुलना पदार्पण के बाद से ही अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली से होती रही है। प्रशंसकों का मानना है कि वह विराट जैसे बल्लेबाज हैं। शुभमन ने इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती दो टेस्ट मैचों में शतक लगाये हैं। पहली बार इंग्लैंड में सीरीज खेल रहे गिल इस समय कोहली की तरह ही प्रदर्शन करते दिख रहे हैं। शुभमन ने अब तक 139 अंतरराष्ट्रीय पारियां खेली हैं जिसमें उनके आंकडे विराट के आसपास हैं। 25 साल के शुभमन ने 139 इंटरनेशनल पारियों के बाद 5831 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका बल्लेबाजी औसत 47.02 रन रहा है। उन्होंने 17 शतक लगाये हैं। वहीं कोहली ने अपनी शुरुआती 139 अंतरराष्ट्रीय पारियों में 45.98 के औसत से 17 शतक के साथ ही 5610 रन बनाए थे। इससे अंदाजा होता है कि दोनों के बीच कड़ा मुकाबला रहा है। रनों के मामले में शुभमन का आंकड़ा कोहली से कही बेहतर है जबकि दोनों के शतक बराबर हैं। बल्लेबाजी औसत में भी इनमें ज्यादा अंतर नहीं है। शुभमन ने टेस्ट में 63 पारी खेली हैं जबकि एकदिवसीय में 55 और टी20 अंतरराष्ट्रीय में 21 पारी उनके नाम हैं। विराट ने अपने लंबे करियर में कई उतार चढ़ा देखे हैं। उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से कई बार टीम इंडिया को बड़ी जीत दिलाई थी। .विराट को एक आक्रामक कप्तान के रूप में जाना जाता है।

भारतीय टीम सेना देशों में सबसे अधिक मैच जीतने वाली टीम बनी

पाक को पीछे छोड़ा

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम टेस्ट में जीत के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही भारतीय टीम एजबेस्टन में में जीत दर्ज करने वाली पहली एशियाई टीम बनी है। ये पहली बार है जब किसी एशियाई टीम ने इस मैदान पर जीत हासिल की और 1000 से ज्यादा रन बनाए है। इसके अलावा भी कई रिकॉर्ड भारतीय टीम ने बनाये हैं। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने पाकिस्तान को भी पीछे छोड़ दिया है और वह सेना देशों (दक्षिण अफीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में सबसे ज्यादा टेस्ट मैच जीतने वाली टीम बन गयी है। बर्मिंघम में इससे पहले भारतीय टीम ने कभी भी कोई टेस्ट मैच नहीं जीता था।

भारतीय टीम अब एशिया की पहली ऐसी टीम है, जिसने सेना देशों सबसे ज्यादा टेस्ट मैच जीते हैं। भारतीय टीम ने इन चार देशों में कुल 30वां मैच जीता है। वहीं, पाकिस्तान ने सेना देशों में कुल 29 मुकाबले जीते थे। भारत ने 178 टेस्ट मैचों में 30 मुकाबले जबकि पाकिस्तान ने 148 मैचों में 29 मुकाबले दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में जीते हैं।

इस सूची में तीसरा नाम श्रीलंका का है पर श्रीलंका ने केवल 9 ही मुकाबले अब तक सेना देशों में जीते हैं।

श्रीलंका की टीम ने 76 मुकाबले अब तक इन चार देशों में खेले हैं। वहीं बांग्लादेश की टीम

अभी तक केवल एक ही मैच जीत पाई है। बांग्लादेश ने सेना देशों में में कुल 25 मुकाबले खेले हैं और इनमें से सिर्फ एक मैच में जीत दर्ज की है।

जनवरी 2022 में बांग्लादेश की टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच जीता था, जबकि अन्य तीन देशों में अभी तक बांग्लादेश नहीं जीती है।

धोनी के कैप्टन कूल ट्रेडमार्क की राह में आई बाधा

एक लॉ फर्म ने आपत्ति जतायी

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के ÷कैप्टन कूल÷ उपनाम को ट्रेडमार्क करने के प्रयास को झटका लगा है। धोनी के इस कदम का एक कानूनी फर्म ने विरोध किया है। इस लॉ फर्म के अनुसार ये उपनाम अन्य खिलाड़ियों के लिए भी उपयोग होता रहा है इसलिए इसे धोनी अपना ट्रेडमार्क नहीं बना सकते हैं। धोनी ने ट्रेडमार्क के लिए आवेदन जून 2023 में दायर किया था। इसे जून 2025 में ट्रेडमार्क रजिस्ट्री के कोलकाता कार्यालय द्वारा ÷स्वीकार और विज्ञापित÷ किया गया था।

फिर यह 16 जून, 2025 को ट्रेडमार्क जर्नल में प्रकाशित किया गया था। वहीं नियमों के अनुसार अगर किसी को भी इसका विरोध करना होता है तो वह 120 दिन के अंदर ऐसा कर सकता है।

इसी दौरान लॉ फर्म ने इसपर आपत्ति जता दी हैं जिससे धोनी के लिए यह उपनाम हासिल करना कठिन होगा।

फर्म ने अपने तर्क में कहा है कि धोनी के पास इस ट्रेडमार्क को स्थापित करने के लिए कोई व्यावसायिक दस्तावेज नहीं है । ऐस में उनके लिए कैप्टन कूल÷ शब्द का ट्रेडमार्क लेना एक्ट 1999 के मानक के अनुरुप नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि केवल लोकप्रियता से किसी को उपनाम नहीं मिल जाता।

इसके लिए ठोस मान्यता भी चाहिए होती है।

अभी तक ये तय नहीं हो पाया है कि यह किसके पक्ष में जाएगा। गौरतब है कि धोनी को उनके दबाव के बीच भी शांत रहने के लिए कैप्टन कूल के नाम से जाना जाता है।

धोनी ने अपनी कप्तान में विश्वकप सहित सभी आईसीसी खिताब टीम इंडिया को जिताये हैं।

धोनी के कैप्टन कूल ट्रेडमार्क की राह में आई बाधा

एक लॉ फर्म ने आपत्ति जतायी

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के ÷कैप्टन कूल÷ उपनाम को ट्रेडमार्क करने के प्रयास को झटका लगा है। धोनी के इस कदम का एक कानूनी फर्म ने विरोध किया है। इस लॉ फर्म के अनुसार ये उपनाम अन्य खिलाड़ियों के लिए भी उपयोग होता रहा है इसलिए इसे धोनी अपना ट्रेडमार्क नहीं बना सकते हैं। धोनी ने ट्रेडमार्क के लिए आवेदन जून 2023 में दायर किया था। इसे जून 2025 में ट्रेडमार्क रजिस्ट्री के कोलकाता कार्यालय द्वारा ÷स्वीकार और विज्ञापित÷ किया गया था। फिर यह 16 जून, 2025 को ट्रेडमार्क जर्नल में प्रकाशित किया गया था। वहीं नियमों के अनुसार अगर किसी को भी इसका विरोध करना होता है तो वह 120 दिन के अंदर ऐसा कर सकता है। इसी दौरान लॉ फर्म ने इसपर आपत्ति जता दी हैं जिससे धोनी के लिए यह उपनाम हासिल करना कठिन होगा। फर्म ने अपने तर्क में कहा है कि धोनी के पास इस ट्रेडमार्क को स्थापित करने के लिए कोई व्यावसायिक दस्तावेज नहीं है । ऐस में उनके लिए कैप्टन कूल÷ शब्द का ट्रेडमार्क लेना एक्ट 1999 के मानक के अनुरुप नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि केवल लोकप्रियता से किसी को उपनाम नहीं मिल जाता। इसके लिए ठोस मान्यता भी चाहिए होती है। अभी तक ये तय नहीं हो पाया है कि यह किसके पक्ष में जाएगा। गौरतब है कि धोनी को उनके दबाव के बीच भी शांत रहने के लिए कैप्टन कूल के नाम से जाना जाता है। धोनी ने अपनी कप्तान में विश्वकप सहित सभी आईसीसी खिताब टीम इंडिया को जिताये हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ आज सीरीज जीतने उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

मैनचेस्टर।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार को यहां चौथे टी20 मैच को जीतकर सीरीज अपने नाम करने उतरेगी। अभी भारतीय टीम इस सीरीज में 2-1 से आगे है। इस मैच में सभी की नजरें कप्तान हरमनप्रीत कौर और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा पर रहेंगी। पिछले मैच में शेफाली और हरमनप्रीत बड़ी पारी नहीं खेल पाये थे। वहीं स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और अमनजोत कौर का लक्ष्य इस मैच में भी बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा।

अब तक इन सभी ने अच्छा खेला है। शेफाली टीम में वापसी के बाद से वह अभी तक बड़ी

पारी नहीं खेल पाई हैं, ऐसे में वह बड़ी पारी खेलना चाहेंगी। वहीं हरमनप्रीत पहले मैच में नहीं खेल पाई थी। उन्होंने दूसरे मैच में वापसी करते हुए केवल एक रन ही बना सकी थी। वहीं उनकी जगह पिछले मैच में शामिल हरलीन ने 43 रन बनाये थे

इस सीरीज में भारत की स्पिनरों एन श्री चरणी ने 8 विकेट और दीप्ति शर्मा ने 6 विकेट लिए हैं। तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी भी 4 विकेट लेकर अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है स्पिनर राधा यादव और तेज गेंदबाज अमनजोत को इस मैच में अच्छी गेंदबाजी करनी होगी। वहीं दूसरी ओर मेजबान इंग्लैंड को अगर सीरीज में बराबर करनी है तो उसके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

पिछले मैच में उसके सलामी बल्लेबाज सोफिया डंकले और डैनी व्याट-हॉज ने अर्धशतक लगाए थे पर अन्य बल्लेबाज विफल रहीं थीं। इसके साथ ही उसके गेंदबाजों को भी प्रभावी प्रदर्शन करना होगा।

संक्षिप्त समाचार

क्या आईसीसी वर्ल्ड क्लब्स टी20 चैंपियनशिप में पीसीबी को जगह मिलेगी?

दुबई।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की योजना विश्व की लोकप्रिय टी20 क्रिकेट लीग की टीमों के बीच वर्ल्ड क्लब्स टी20 चैंपियनशिप का आयोजन करना है। इसमें पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) को शायद ही शामिल किया जाये। इसका कारण ये है कि इस इवेंट के लिए हुई बैठक में पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपना प्रतिनिधि नहीं भेजा था जबकि उसे आमंत्रण दिया गया था जिसके बाद से ही आईसीसी उससे नाराज है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड द्वारा आयोजन इस बैठक में प्रमुख टी20 फ्रेंचाइजी-आधारित लीगों के सीईओ शामिल हुए थे। इस , ÷बैठक में प्रस्तावित वर्ल्ड क्लब्स चैंपियनशिप, इसकी विंडो, फॉर्मेट, शेड्यूल आदि पर बात हुई थी। इसमें एमिरेट्स लीग, बिग बैश लीग, द हंड्रेड, एस20, एलएलसी, कैरेबियन प्रीमियर लीग आदि के सीईओ शामिल हुए थे। शुरुआत में वर्ल्ड क्लब्स इवेंट में पांच टीमें होंगी हालांकि इसमें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की कोई टीम भाग नहीं लेगी पर उसे पीएसएल का समर्थन रहेगा। वर्ल्ड क्लब्स चैंपियनशिप को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है जिससे कि प्रस्तावित सऊदी क्रिकेट लीग का मुकाबला किया जा सके। सऊदी लीग को 400 मिलियन डॉलर की के साथ निजी निवेशक शुरु करने का प्रयास कर रहे हैं। वे हर साल टेनिस ग्रैंड स्लैम इवेंट्स की तर्ज पर अपनी लीग को आयोजित करना चाहते है।

क्रिकेटर यश दयाल की मुश्किलें बढ़ीं, शारीरिक शोषण मामले में एफआईआर दर्ज

गाजियाबाद।

ऑयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेलने वाले क्रिकेटर यश दयाल की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। यश पर शादी का वादा कर धोखाधड़ी करने के साथ ही मानसिक और शारीरिक शोषण आरोप में एफआईआर दर्ज की गयी है। यह एफआईआर कराने वाली पीड़िता का आरोप है कि यश ने शादी का झांसा देकर उसका शोषण किया है। इस युवती ने यश के खिलाफ पिछले दिनों ऑनलाइन शिकायत की थी। वहीं यश दयाल के परिवार ने इसे साजिश बताया था। अब इस मामले में एफआईआर भी दर्ज की गई है। यश के खिलाफ इंदिरापुरम थाने में बीएनएस की धारा 69 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। यह गैरजमानती धारा है। वहीं अगर यश दयाल दोषी पाए जाते हैं तो उन्हें 10 साल तक की सजा हो सकती है. पीड़ित युवती के अनुसार वह पांच साल पहले सोशल मीडिया के जरिए यश दयाल के संपर्क में आई थी। शुरुआती दोस्ती बाद में प्रेम में बदल गई। तब यश दयाल ने शादी का भरोसा दिलाया और दोनो लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहे। इस दौरान यश उसे कई जगहों पर ले गये जिसके सबूत भी पीड़िता ने पुलिस को सौंपे हैं।

वियान मुल्डर ने दोहरे शतक के साथ ही बनाये कई रिकार्ड

हरारे।

दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज वियान मुल्डर ने जिम्बाब्वे दौरे में दोहरा शतक लगाया है। मुल्डर ने ये दोहरा शतक कप्तान के रुप में अपने पहले ही मैच में लगाकर एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इस मैच में कप्तान केशव महाराज के फिट नहीं होने के कारण वियान को कप्तानी मिली थी। इस मैच में पहले बल्लेबाज करते हुए उतरी दक्षिण अफ्रीकी की टीम ने पहले दिन 4 विकेट के नुकसान पर 465 रन बोर्ड पर लगाए। इसमें नंबर तीन पर उतरे वियान के दोहरे शतक की अहम भूमिका रही। वह कप्तान के रुप में अपने डेब्यू मैच में ही शतक लगाने वाले न्यूजीलैंड के ग्राहम डाउलिंग और वेस्टइंडीज के शिवनारायण चंद्रपॉल के बाद तीसरे खिलाड़ी बने। उन्होंने अपनी पहली पारी में 250 रन से अधिक बनाये। मुल्डर बतरौ कप्तान डेब्यू मैच की पहली पारी में 250 रन का आंकड़ा पार करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बने हैं। उनसे पहले वर्ल्ड क्रिकेट में यह कारनामा कोई नहीं कर पाया। इसी के साथ मुल्डर ग्रीम स्मिथ 277 रन और 259 इंग्लैंड के खिलाफ के बाद टेस्ट पारी में 250 से अधिक रन बनाने वाले दूसरे दक्षिण अफ्रीकी कप्तान भी बन गए। वियान मुल्डर बतौर कप्तान डेब्यू टेस्ट मैच में शतक लगाने वाले तीसरे दक्षिण अफ्रीकी और 70 सालों में पहले कप्तान बन गए।

जैकी मैकग्ल्यू ने 1955 में मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी। कुल मिलाकर, वह डेब्यू मैच में शतक लगाने वाले 34वें टेस्ट कप्तान हैं। दक्षिण अफ्रीका के लिए कप्तान के तौर पर पहले ही मैच में शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं। 109 रन, हर्बी टेलर बनाम इंग्लैंड, डरबन, 1913, 104 रन जैकी मैकग्ल्यू बनाम इंग्लैंड, मैनचेस्टर, 1955 । मुल्डर टेस्ट क्रिकेट में एक दिन के खेल में 250 से अधिक रन बनाने वाले सातवें बल्लेबाज हैं और पहले दिन ऐसा करने वाले वे केवल तीसरे बल्लेबाज हैं। वह ये दिन में छठा सबसे बड़ा स्कोर है। मुल्डर द्वारा बनाए गए 264 रन टेस्ट मैच के पहले दिन का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है, जो केवल डॉन ब्रैडमैन के 309 रनों से पीछे है। इससे पहले टेस्ट मैच में एक दिन में बल्लेबाजों द्वारा बनाए गए सबसे ज्यादा रनों के मामले में डॉन ब्रैडमैन 309 रनों के साथ ही पहले नंबर पर हैं। वहीं वैली हैमंड ने 295 रन बनाये हैं और वह दूसरे नंबर पर हैं।

योगराज बोले टीम को बेहतर बना रहे गंभीर, शुभमन की भी प्रशंसा की

चंडीगढ़। पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और टीम के कप्तान शुभमन गिल की प्रशंसा की है। योगराज ने कहा कि अब गंभीर के आलोचकों को जवाब मिल गया होगा। उन्हें ये मानना होगा कि कोच टीम को बेहतर ही बना रहे हैं। टीम ने जिस प्रकार का प्रदर्शन करते हुए विदेश में सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। उससे ये बात साबित होती है। योगराज ने ये बातें दूसरे टेस्ट में शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम को मिली 336 रनों की बड़ी जीत के बाद कही हैं। वहीं पहले टेस्ट में पांच शतक लगाने के बाद भी भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। उस हार के बाद गंभीर पर कई लोगों ने निशाना साधा था। योगराज ने कहा, खिलाड़ियों के खिलाफ बातें करना भी गलत है जबकि देखा जाये तो खिलाड़ी लगातार बेहतर हो रहे होंगे। खिलाड़ी निखर रहे हैं और अच्छा खेल रहे हैं। इसलिए किसी खिलाड़ी को लेकर ये कहना कि उसे बाहर करे, या उसे क्यों लिया गया नहीं कहना चाहिए। योगराज का मानना है कि गौतम गंभीर, युवराज सिंह और राहुल द्रविड़ जैसे पूर्व क्रिकेटरों ने भारतीय क्रिकेट को कुछ न कुछ दे रहे हैं, इसलिए उन्हें सम्मान मिलना चाहिए। योगराज ने कहा, गंभीर के बारे में कुछ बोलना नहीं चाहिए। वो अच्छा काम कर रहे हैं। ये वो लोग हैं जिन्हें क्रिकेट ने बहुत कुछ दिया और अब ये क्रिकेट को उसे वापस दे रहे हैं। योगराज ने यह भी कहा कि अगर टीम हारती है तो भी खिलाड़ियों को उनके प्रयास के लिए सराहना मिलनी चाहिये। योगराज ने बताया, अगर हम सीरीज हार भी जाएं तो कम से कम यह जरूर देखे की खिलाड़ियों ने किस प्रकार से खेला है क्योंकि हार-जीत खेल का हिस्सा है। ऐसे में अगर हार गए तो भी सब समाप्त नहीं हो जाता। योगराज ने कप्तान शुभमन गिल की तारीफ करते हुए कहा कि वह उनकी टीम का मनोबल भी बढ़ा है जिसका प्रभाव फील्डिंग में दिख रहा है। साथ ही कहा, शुभमन का बयान मुझे अच्छा लगा कि मैं ऐसे ही खेलने के प्रयास करूंगा। टीम बहुत अच्छा खेल रही है। अगर हम इसी तरह फील्डिंग करें, तो हम सीरीज भी जीत सकते हैं। साथ ही कहा कि गेंदबाज अगर 4 गेंद भी अच्छी गेंद डालें और फील्डर दो अच्छे कैच लें, तो भी जीत सकती है। योगराज ने भारतीय टीम की ओर से 1 टेस्ट और 6 एकदिवसीय मैच खेले हैं।

न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज के लिए घोषित की टीम

विलियमसन सहित कई अनुभवी खिलाड़ी बाहर हुए, फिशर शामिल

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने जिम्बाब्वे के खिलाफ इसी माह जुलाई से 11 अगस्त तक खेली जाने वाली दो मैचों की टेस्ट मैचों की सीरीज के अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इसमें मैट फिशर को पहली बार शामिल किया गया है जबकि पूर्व कप्तान केन विलियमसन समेत कई अनुभवी खिलाड़ी टीम में शामिल नहीं हैं। जिम्बाब्वे और न्यूजीलैंड की ये टेस्ट सीरीज आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र का हिस्सा नहीं है। यही कारण है कि अधिकरत सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। वहीं कई निजी कारणों से बाहर हैं। फिशर को पहली बार टेस्ट टीम में जगह मिली है। वहीं विलियमसन, काइल जैमीसन और माइकल ब्रेसवेल के साथ-साथ बेन सियर्स को शामिल नहीं किया गया है। एजाज पटेल पिछले साल नवंबर में मुंबई में भारत के खिलाफ ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जीत में शामिल थे। उन्हें पहली बार टेस्ट टीम में जगह मिली है। वहीं हेनरी निकोल्स को दो साल बाद टीम में जगह मिली हैटीम इस प्रकार है - टॉम लैथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, मैट फिशर, मैट हेनरी, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, विल ओराउरके, एजाज पटेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मिचेल सैंटनर, नाथन स्मिथ और विल यंग।

एमसीसी ने आकाशदीप की गेंद को सही करार दिया

रुट हुए थे बोल्ड

लंदन।

मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने कहा है कि जिस गेंद पर भारतीय टीम के तेज गेंदबाज आकाशदीप सिंह ने इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रुट को आउट किया था। वह नो बॉल नहीं थी।

ऐसे में इस गेंद को लेकर जो भी सवाल उठाये जा रहे हैं वह गलत हैं। रुट के विकेट पर सवाल नहीं उठाया जा सकता है।

इससे पहले आकाश की जिस गेंद पर इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट आउट हुए थे। उस गेंद को नो बॉल करार देकर उसकी वैधानिकता पर मेजबान टीम के प्रशंसकों ने सवाल उठाये थे।

उनका कहना था कि आकाश दीप ने वाइड ऑफ क्रीज जाकर ये गेंद फेंकी थी, जिसे रूट ने रोकने का प्रयास किया पर वह बोल्ड हो गये। ये भी कहा जा रहा था कि आकाश ने जो गेंद रूट को डाली, उस गेंद पर उनका पैर बॉलिंग की साइड में रिटर्न क्रीज से लगा था पर नियमों को देखें तो पाएंगे कि रिटर्न क्रीज को छूना कोई गुनाह नहीं है, आकाश दीप का पंजा क्रीज के अंदर था और जब वे गेंद करने के लिए आगे गए तब उनका पैर रिटर्न क्रीज पर लग गया।

इस तरह आकाश दीप की ये गेंद पूरी तरह से वैध थी, जिस पर जो रूट आउट हुए।

कुछ लोगों का कहना था कि यह बैकफुट नो बॉल थी और इसलिए गेंद लीगल नहीं थी, जिस पर बल्लेबाज को आउट नहीं दिया जाना था।

इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज जोनाथन ट्रॉट सहित कुछ कमेंटेटरों ने कमेंट किया कि यह नो बॉल होनी चाहिए थी पर भारत के रवि शास्त्री ने इस गेंद को पूरी तरह सही माना ।

वहीं एमसीसी के प्रवक्ता ने इस मामले को लेकर कहा, पिछले सप्ताह इंग्लैंड के खिलाफ भारत के टेस्ट मैच के चौथे दिन, आकाश दीप की गेंद पर सवाल उठे थे, जिस पर जो रूट बोल्ड हो गए थे, कुछ प्रशंसकों और कमेंटेटरों का मानना था कि यह नो बॉल थी, जबकि आकाश दीप असामान्य रूप से क्रीज पर वाइड लैंड हुए और उनका पिछला पैर रिटर्न क्रीज के बाहर जमीन को छूता हुआ दिखाई दिया, तीसरे अंपायर ने इस गेंद का नो बॉल नहीं कहा। एमसीसी को यह स्पष्ट करते हुए खुशी हो रही है कि यह नियमों के मुताबिक सही निर्णय था।

डीपीएल में नजर आयेगा विराट का भतीजा और सहवाग का बेटा

नई दिल्ली।

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के भतीजे आर्यवीर कोहली और वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के दूसरे सत्र में खेलते हुए दिखेंगे। इन दोनों को डीपीएल 2025 नीलामी में अलग-अलग टीमों ने खरीदा है। लेग-स्पिनर आर्यवीर कोहली विराट के बड़े भाई विकास के बेटे हैं, उन्हें साउथ दिल्ली सुपरस्टारज ने एक लाख रुपये में खरीदा। इस टीम में लीग के सबसे महंगे खिलाड़ियों में लेग-स्पिनर दिग्वेश राठी भी शामिल हैं। राठी को 30 लाख में खरीदा गया है। वहीं अंडर-19 बल्लेबाज आर्यवीर सहवाग को सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने आठ लाख रुपये में खरीदा। आर्यवीर के पिता और पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग इस टूर्नामेंट के ब्रांड दूत भी हैं। सहवाग ने कहा, ''मैं वास्तव में इस सत्र का इंतजार कर रहा हूं। यह लीग खिलाड़ियों के लिए एक बड़े मंच के तौर पर सामने आई है।'' उन्होंने कहा, ''चयनकर्ताओं के साथ ही विदेशी क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें भी इस लीग पर रहेंगी। इससे खिलाड़ियों को अपनी पहचान बनाने का अवसर मिलेगा। हमने पिछले साल कुछ अविश्वसनीय क्रिकेट देखा और मुझे भरोसा है कि यह सत्र और भी रोमांचक रहेगा।'' दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली ने इस मौके पर कहा, ''इस साल हमने एक कदम आगे बढ़ाया है। हमने अपनी नीलामी प्रणाली में सुधार करते हुए खिलाड़ियों की संख्या में इजाफा किया है। हमने सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए घरेलू क्रिकेट के स्तर को ऊपर उठाने का प्रयास करने के साथ ही हमने दो नई पुरुष फ्रेंचाइजी भी जोड़ी हैं।''

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जॉब के लिए इन चीजों की कुर्बानी कभी न दें

हम आठ से दस घंटे जॉब करते हैं और वह भी अपना पूरा सौ प्रतिशत देकर। आप भले ही अपने जॉब से कितना भी प्यार क्यों न करते हों लेकिन आपको अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सीमा बनाकर रखने की जरूरत होती है। अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो हमारा काम, हमारा स्वास्थ्य, हमारा निजी जिंदगी प्रभावित होगी। आइए जानते हैं कि ऐसी कौन सी 5 चीजें हैं जिसे आपको अपने जॉब के लिए कभी कुर्बान नहीं करना चाहिए।

आपका स्वास्थ्य

यह बहुत ही मुश्किल होता है कि काम के समय आप अपने स्वास्थ्य के लिए सीमा तैयार कर ले क्योंकि आपको इसके दुष्प्रभाव का अंदाज ही नहीं होता। आप तनाव का स्वागत करते हैं, नींद खो देते हैं और बिना व्यायाम के लंबे समय पर बैठकर काम करते हैं। जब तब आपको इस बारे में पता चलेगा आपकी हालत खराब हो चुकी होगी। इसलिए इस बात को सुनिश्चित कर लें कि आपकी जॉब के कारण आपके हेल्थ पर कोई गलत प्रभाव तो नहीं पड़ रहा है। कोई भी जॉब ऐसी नहीं है जिसकी कीमत आपके स्वास्थ्य से बढ़कर हो।

आपका परिवार

यह बहुत ही आसान होता है कि आपका परिवार आपके जॉब के कारण प्रभावित हो रहा हो। हममें से कई लोग यह करते हैं क्योंकि हम हमारी नौकरी को हमारे परिवार का चलाने का साधन मानते हैं। आप यह सोचते हैं कि बच्चों को अच्छे कॉलेज-स्कूल में पढ़ाना है तो मुझे ज्यादा पैसा कमाना होगा। बस फिर क्या आप परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम भी नहीं बिता पाते। आप ऐसी कई मेमोरिज मिस कर देते हैं जो आपके परिवार को खुशियां देती है।

आपका विवेक

वह जॉब जो आपके विवेक का एक छोटा सा हिस्सा भी ले ले तो यह आपके लिए अच्छा नहीं है। आपका विवेक कुछ ऐसा है कि इसे आपको ही मॉनिटर करना होगा और खुद को हेल्दी रखने के लिए सीमाएं तय करनी होगी।

आपकी पहचान

जब आपका काम आपकी पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है तो यह खतरनाक साबित हो सकता है कि आपकी पूरी पहचान केवल आपका काम ही हो। अपनी पहचान के बाहर का काम कर के आपको सुखद एहसास होगा। यह आपके तनाव दूर करने में मदद करेगा और एक व्यक्ति के रूप में विकास करने में मददगार साबित होगा।

आपके संपर्क

आपके संपर्क आपकी मेहनत और प्रयास का उत्पाद है। किसी भी जॉब की खातिर आप अपने अच्छे संपर्क सूत्रों से मुंह नहीं मोड़ सकते हैं।

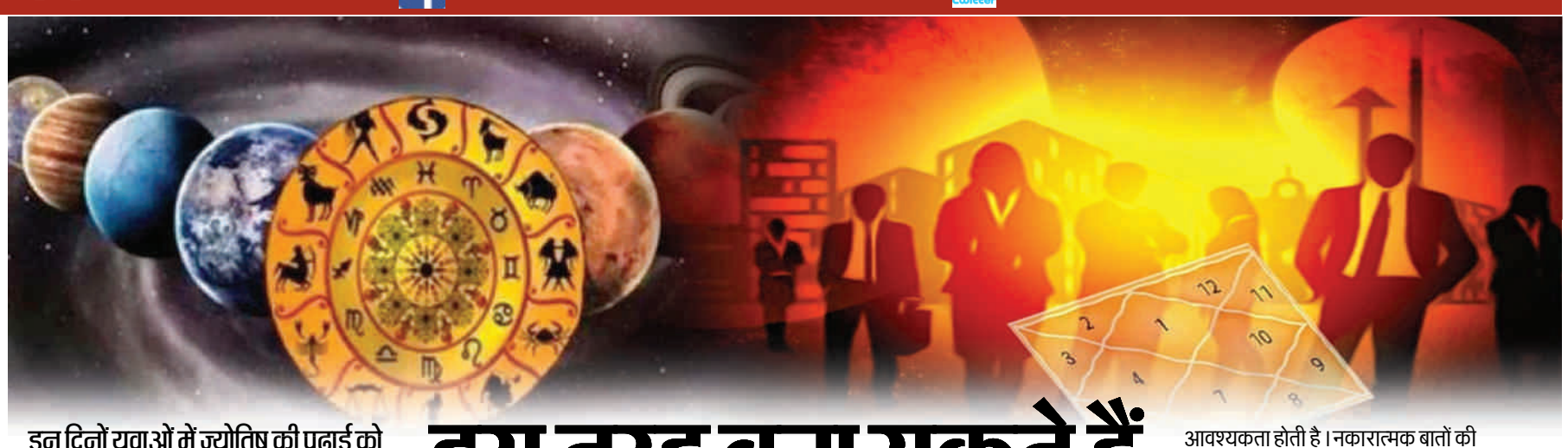

इस तरह बना सकते हैं ग्रह, नक्षत्रों में करियर

इन दिनों युवाओं में ज्योतिष की पढ़ाई को लेकर भी खूब क्रेज है। बाजार में ज्योतिषियों की बढ़ती मांग को देखते हुए युवाओं को इसमें भविष्य संवारने का सुनहरा मौका दिया है। ज्योतिष कोर्स को लेकर युवाओं के बढ़ते रुझान को देखते हुए यह एक बेहतरीन करियर विकल्प बन गया है। पिछले कुछ सालों में इस फील्ड में काफी स्कोप बढ़ा है। यही नहीं ज्योतिष के साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं।

कुंडली मिलान से लेकर, मांगलिक कार्य, शादी ब्याह, पंचाग, राशिफल, अंकविज्ञान, कर्मकांड आदि भी इसी दायरे में आते हैं। ज्योतिष, पूजा-पाठ के कई तरह के कोर्स उपलब्ध है। 12 वीं करने के बाद भी आप इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं। स्नातक ऑनर्स या शास्त्री की डिग्री तीन साल की होती है। दो साल का पीजी कोर्स या आचार्य की डिग्री हासिल की जा सकती है। आप पीएचडी भी कर सकते हैं।

ज्योतिष अलंकार कोर्स के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इसके बाद आप ज्योतिषाचार्य का कोर्स कर सकते हैं। ज्योतिष और अध्यात्म के साथ-साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए भी धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं। अधिकतर संस्थानों और विश्वविद्यालयों में संस्कृत के साथ ही ज्योतिष विज्ञान, कर्मकांड, धर्मशास्त्र, व्याकरण, वेद, पुरोहित आदि की पढ़ाई होती है। वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, वैदिक दर्शन, जैन-बुध्द दर्शन, धर्मशास्त्र मीमांसा, धर्मागम आदि का अध्ययन संस्कृत विषय के तहत ही किया जाता है। हालांकि कई संस्थानों में ज्योतिष प्रज्ञ में सर्टिफिकेट कोर्स तो ज्योतिष भूषण में डिप्लोमा कोर्स भी आयोजित कर रहे हैं।

संभावनाएं

ज्योतिष में करियर बनाने के इच्छुक लोगों को रत्न, पत्थर, ग्रह-नक्षत्र के साथ भारतीय लोगों के दृष्टिकोण को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। इस क्षेत्र में कभी भी मंदी नहीं आती क्योंकि अधिकतर भारतीय पारंपरिक हैं और ज्योतिष पर विश्वास करते हैं। कोई भी व्यक्ति अखबार, न्यूज चैनलों के अलावा पत्रिकाओं में भविष्यवक्ता भी बन सकता है।

स्किल्स

इस फील्ड में आप तभी सफल हो सकते हैं जब आप में लगातार कुछ न कुछ सीखने के गुण हों। आपका व्यक्तित्व आकर्षक हो, आप लोगों के साथ दोस्ताना रवैया रख सकें। केवल पैसा कमाना ही आपका मकसद न होकर दूसरों की सहायता करना भी होना चाहिए। ईमानदारी इस पेशे में काफी अहमियत रखती है। साथ ही, जिम्मेदारी की भावना भी आप में कूट-कूट कर भरी होनी चाहिए। लोगों को अपनी बातों से कंविंस करना इस फील्ड की मुख्य चुनौती है। आप अपनी बात हर समय तर्कयुक्त ढंग से रखें जिससे सामने वाला आपकी बातों पर हामी भरे। ज्योतिष सीखना और भविष्यवाणी करना आसान काम नहीं है। इसके लिए कठिन परिश्रम की आवश्यकता होती है। नकारात्मक बातों की भविष्यवाणी करने से पहले आपको इस बात का ख्याल रखना होता है कि ग्राहक कहीं बेहद निराश में न डूब जाए।

कोर्सेस

बीएससी इन एस्ट्रोलॉजी, एमएससी इन एस्ट्रोलॉजी, सर्टिफिकेट कोर्स इन एस्ट्रोलॉजी, डिप्लोमा कोर्स इन भारतीय ज्योतिष, बीएम/एमए/पीएचडी इन एस्ट्रोलॉजी, एमए इन संस्कृत रिसर्च इन एस्ट्रोलॉजी, कोर्स इन वेदांग ज्योतिष, टू ईयर ग्रेडेट कोर्स इन वैदिक एस्ट्रोलॉजी, एम इन एस्ट्रोलॉजी (पत्राचार), बीए (संस्कृत), ज्योतिष एमए (आचार्य), ज्योतिष बीए (संस्कृत), ज्योतिष फलित, ज्योतिष बीए (ज्योतिष), एमए (फलित ज्योतिष), एमए (सिध्दांत ज्योतिष), बीए शास्त्री (सिध्दांत ज्योतिष), बीए (फलित ज्योतिष), ज्योतिष डिप्लोमा कोर्स, ज्योतिष डिप्लोमा पुरोहित सर्टिफिकेट ट्रेनिंग कोर्स इन पुरोहित, पीजी डिप्लोमा इन वास्तुशास्त्र रिफ्रेशर कोर्स इन ज्योतिष (ज्योतिष प्रज्ञ और ज्योतिष भूषण), ज्योतिष प्रवीण बेसिक एस्ट्रोलॉजी कोर्स (एक साल)।

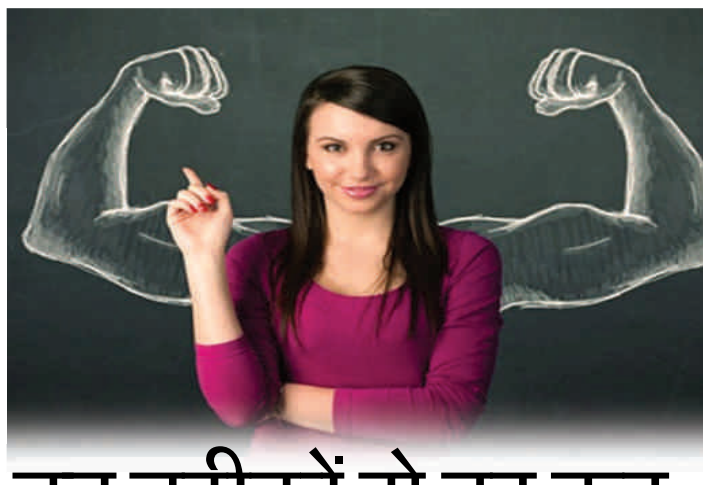

इन तरीकों से दूर कर सकते हैं अपनी कमजोरियां

कई बार हम बिना सोचे-समझे दूसरों की आलोचना कर देते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हम यह नहीं सोचते कि इसका परिणाम क्या होगा। दूसरों की आलोचना पर ध्यान देने या उनकी कमियां निकालने में समय गंवाने के बजाय हमें खुद को सशक्त बनाने पर ध्यान देना चाहिए। अपने आप को कमजोर या हीन समझने के बजाय यह देखें कि आखिर वह कौन-सी खासियत है, जो आपके भीतर है, जिसे आगे बढ़ाकर आप कामयाबी के शिखर की तरफ बढ़ सकते हैं। कभी भी यह न सोचें कि आपके भीतर कोई हुनर नहीं है। अगर आपको लगता है कि वाकई कोई अच्छाई आपमें नहीं है, तो किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जरा ठहरें। कुछ दिन पूरी एकाग्रता के साथ आत्म-मंथन करें। अपनी रुचियों, आदतों, व्यवहार, बातचीत, प्रतिक्रिया आदि पर ध्यान दें। आपको जरूर पता चल जाएगा कि आप में कौन-सी अच्छाई है। अगर फिर भी समझ में नहीं आता, तो घर के किसी समझदार सदस्य, अध्यापक या फिर काउंसलर की मदद से खुद की ताकत को जानें-समझें। इससे आपको अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

घबराएं न हार से

अगर आप कभी किसी परीक्षा या टेस्ट में फेल हो जाते हैं, किसी टीम का हिस्सा होते हुए भी बेहतर परफॉर्म नहीं कर पाते या फिर किसी वजह से शर्मिंदा होना पड़ता है, तो ऐसी स्थिति में भी धैर्य बनाए रखें। हताश बिल्कुल न हों। खुद को संयत रखें। फिर यह सोचें कि आखिर आप असफल क्यों हुए? आपसे कहां चूक हो गई? आपने गलती कहां की? अपनी हार या असफलता में छिपे कारणों को ढूंढें। जब तक आप उन कारणों को ढूंढकर उन्हें दूर करने का प्रयत्न नहीं करेंगे, कामयाबी आपसे दूर ही रहेगी। अगर आप खुद को विजेता के रूप में देखता चाहते हैं, तो अपनी कमियों-कमजोरियों को ढूंढकर उन्हें यथाशीघ्र दूर करें। याद रखें, दुनिया में ऐसे बहुत कम कामयाब लोग होंगे, जिन्होंने कभी असफलता का स्वाद नहीं चखा होगा। कामयाबी के शिखर पर पहुंच चुके तमाम लोगों को अपने प्रयासों में कई बार हार मिली। चाहे बल्ब के आविष्कारक थॉमस एडिसन हों या फिर नए संसार की खोज में निकले कोलंबस और वास्को-डि-गामा जैसे लोग। बार-बार की असफलता के बावजूद ऐसे उत्साही लोगों ने उम्मीद का दामन नहीं छोड़ा। आखिर एक दिन ऐसा आ ही गया, जब उन्हें कामयाबी मिली और दुनिया भर ने उनका लोहा माना। अगर आप भी किसी परीक्षा या प्रतियोगिता में असफल हो जाते हैं, तो इसे जिंदगी का आखिरी इम्तेहान समझने के बजाय इस बात पर विचार करें कि आखिर किन कमियों के कारण आपको सफलता नहीं मिल सकी। इन कमियों को दूर कर फिर दोगुने उत्साह के साथ प्रयास करें।

आत्ममुग्धता से बचें

अक्सर यह भी देखने में आता है कि छोटी-छोटी सफलताएं पाकर हम आत्ममुग्ध हो जाते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि बड़े लक्ष्य को पाने के लिए किए जाने वाले हमारे प्रयास शिथिल पड़ने लगते हैं। कई बार हम खुद को बेहद काबिल मानकर यह सोच लेते हैं कि हमें सफलता तो मिल ही जाएगी। मगर जब ऐसा नहीं होता और असफलता हाथ लगती है, तो हमें शॉक लगता है। तब हमें एहसास होता है कि काश दूसरों की तारीफों के कारण हम आत्ममुग्धता के शिकार न हुए होते।

सकारात्मकता का साथ

आप चाहे पढ़ाई कर रहे हों या नौकरी, अपनी सोच को हर समय सकारात्मक बनाए रखें। परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों, संघर्ष चाहे जितना करना पड़े, सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेंगे, तो इसके अच्छे परिणाम भी जरूर दिखेंगे। किसी के बारे में बुरा सोचने या उसकी निंदा करने के बजाय अच्छा सोचें, अच्छा करें। दूसरे क्या कर रहे हैं या क्या नहीं कर रहे हैं, इस पर नजर रखने के बजाय हमेशा अपने दायित्व को पूरा करने पर ध्यान दें। अपने काम में नित नई पहल करते हुए जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ेंगे, तो सफलता भी मिलेगी और नई पहचान भी बनेगी।

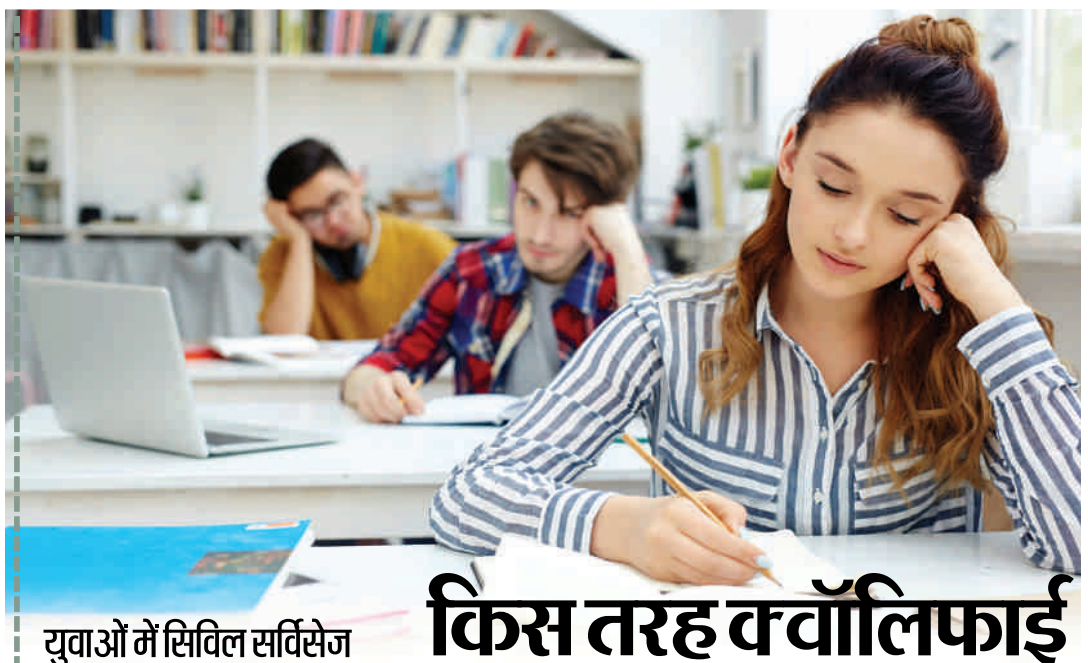

किस तरह क्वॉलिफाई कर सकते हैं सीसैट

युवाओं में सिविल सर्विसेज की प्रिलिम्स, यानी सीसैट (सिविल सर्विसेज एप्टिट्यूड टेस्ट) बहुत मायने रखती है। अगर आपमें पैशन है, तो आप इस परीक्षा में अपनी योग्यता दिखाकर अच्छे अंक पा सकते हैं। जानते हैं सी-सैट सहित सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित कुछ सामान्य सवालों के जवाब।

सीसैट की तैयारी में कितना समय लगता है

सीसैट (प्रिलिम्स) में 2 ऑब्जेक्टिव टाइप सेक्शन होते हैं। पहला पेपर जनरल स्टडीज का और दूसरा पेपर एप्टीट्यूड टेस्ट का होता है। अगर उम्मीदवार प्रिलिम्स की तैयारी कर रहा है, तो उसे दोनों यानी जनरल स्टडीज पेपर 1 और जीएस मेन्स की तैयारी साथ में ही करनी चाहिए। जहां तक समय का सवाल है, तो प्रिलिम्स की तैयारी के लिए 6 से 8 महीने का समय लग जाता है। अगर उम्मीदवार सही तरीके से तैयारी करे, तो वह जीएस मेन्स का 60 से 70 प्रतिशत भाग कवर कर सकता है। इसके अलावा नोट्स बनाने भी बहुत जरूरी हैं। आपको सिलेक्शन पाने के लिए कुछ हटकर करना पड़ेगा।

सीसैट व मेन्स का जीएस पेपर क्या एक-दूसरे से किसी तरह संबंधित हैं?

शायद ही इन दोनों में कुछ कॉमन हो। फिर भी, अगर हम इसकी गहराई में जाएं, तो एक संबंध देख सकते हैं कि अगर किसी उम्मीदवार की जीएस बहुत अच्छी है, तो यह उसे रीडिंग काम्प्रिहेंशन सेक्शन में मदद कर सकती है, जिससे सीसैट में कम से कम 40 से 60 प्रतिशत प्रश्न पूछे जाते हैं।

सीसैट पेपर 1 और 2 के लिए विद्यार्थियों की क्या रणनीति होनी चाहिए?

पेपर 1 - इसके लिए सबसे जरूरी यह है कि उम्मीदवार एनसीईआरटी की पुस्तकों को बहुत अच्छे-से पढ़े। कक्षा 6 से 12 तक की हिस्ट्री, सिविक्स और जिओग्रॉफी को अच्छे से पढ़ें। कक्षा 9 से 12 तक की इकोनॉमिक्स का गहराई से अध्ययन करें और कक्षा 11 व 12 की सोशलॉजी पर फोकस करें। एनसीईआरटी बुक्स के साथ-साथ आपको एक अच्छा अखबार भी नियमित रूप से पढ़ना चाहिए। इसके अलावा वार्षिक बुक भी अच्छे से पढ़ें। आपको इकोनॉमिकल और पॉलिटिकल साप्ताहिक मैगजीन भी पढ़नी चाहिए।

पेपर 2 - इसके लिए आपको कक्षा 7 से 10 तक की मैथ्स पर बहुत अच्छा कमांड होना चाहिए। इसके अलावा रीजनिंग का बेसिक ज्ञान भी अच्छा होना चाहिए।

करंट अफेयर्स के तहत किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं?

जहां तक प्रिलिम्स का सवाल है, कुछ साल पहले तक करंट अफेयर्स से काफी प्रश्न पूछे जाते थे, लेकिन पिछले 2-3 सालों से इन प्रश्नों में कुछ कमी आई है। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि सिविल सर्विसेज एग्जाम का कोई स्पष्ट ट्रैंड नहीं होता है। करंट अफेयर्स के प्रश्न सीसैट में नहीं पूछे जाते, बल्कि मेन्स में पूछे जाते हैं। इसीलिए उम्मीदवारों को अपने आसपास की घटनाओं से अपडेट रहना चाहिए।

सीसैट में एक सामान्य विद्यार्थी की सफलता की कितनी संभावना होती है?

2019 में लगभग 5 लाख उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए बैठे थे, जिसमें 3.7 प्रतिशत ही सीसैट क्रैक कर पाए, जबकि करीब 80 प्रतिशत उम्मीदवार ऐसे भी थे, जो बहुत आश्वस्त थे अपने चयन को लेकर मगर वे प्रिलिम्स तक नहीं क्वॉलिफाई कर पाए। वास्तव में प्रतिस्पर्धा 20 प्रतिशत उम्मीदवारों के बीच ही थी। पिछले 5-6 साल से सक्सेस रेट 3-6 प्रतिशत रहा है। सीसैट कठिन तो है पर असंभव नहीं है। एक सामान्य विद्यार्थी भी कड़ी मेहनत करके सीसैट क्वॉलिफाई कर सकता है।

क्या सीसैट क्वॉलिफाई करने के लिए कोचिंग जरूरी है?

कोचिंग जरूरी तो नहीं है, फिर भी अगर आप कोई कोचिंग ज्वॉइन करना चाहते हैं, तो बहुत सोच-समझकर ऐसा करें और हो सके तो उसी से मार्गदर्शन लें, जिसने खुद यह परीक्षा दी हो। कारण यह कि कई कोचिंग संस्थानों में फैकल्टी अच्छी नहीं होती।

सीसैट में सफलता का मुख्य सूत्र क्या है?

सबसे जरूरी बात तो यह है कि उम्मीदवारों का कॉन्सेप्ट बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए। कॉन्सेप्ट क्लीयर हो, तो सी-सैट मुश्किल नहीं। सभी विषयों पर मेहनत करें। किसी विषय को नजरअंदाज न करें।

वर्कप्लेस क्राइसेस से इन तरीकों से डील करें

ऐसे समय के दौरान जिम्मेदारी संगठनात्मक नेतृत्व की होती है कि आगे की योजना तैयार करे और कर्मचारियों को आश्वस्त करें।

वर्कप्लेस पर क्राइसेस अनेक रूप ले सकता है। यह प्रतिष्ठा को लेकर या मुकदमेबाजी का मुद्दा हो सकता है या फिर प्राकृतिक आपदा। यह भी हो सकता है कि रिवेन्यू में कमी होने से कॉस्ट कटिंग और डाउनसाइजिंग का दौर चले। ऐसे समय के दौरान जिम्मेदारी संगठनात्मक नेतृत्व की होती है कि आगे की योजना तैयार करे और कर्मचारियों को आश्वस्त करें।

पारदर्शिता

आतंरिक या बाह्य किसी भी तरह के क्राइसेस में कर्मचारियों को चिंता होती है कि वह किस तरह से प्रभावित होंगे। उनके साथ स्पष्ट रूप से संवाद किया जाए और बड़ी खबरें न छुपाई जाए। क्राइसेस को लेकर पारदर्शी रहे और सावधानी से काम करें।

विश्वास रखें

एक लीडर के रूप में आपसे उम्मीद की जाती है कि वर्कप्लेस क्राइसेस से निपटने के लिए आप कॉन्फिडेंट रहें। जहां भी आवश्यक हैं, वहां हस्तक्षेप करें और समाधान के लिए हटकर सोचने से डरे नहीं।

ईमानदार रहें

व्यक्तिगत रूप से कर्मचारियों से मिलें और उन्हें निश्चिंत करें कि इस संकट आप उनका ध्यान रखेंगे। ईमानदारी से स्थिति बयां करते हुए जरूरी एक्शंस को लेकर उनसे बात करें।

मदद मांगने में न हिचकें

अपने कर्मचारियों के पास जाएं और उनसे सलाह मांगे। ऐसा करना आपकी लीडरशिप पर सवाल नहीं है बल्कि यह एक अच्छा तरीका है जिसमें क्राइसेस के समय कर्मचारियों को अपना योगदान देने में गर्व ही महसूस होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

असम में आया 4.2 का भूकंप, डरकर लोग घर से आए बाहर, कोई जनहानि नहीं

लगातार भूकंपीय गतिविधियों से क्षेत्र की संवेदनशीलता को लेकर चिंता बढ़ी

गुवाहाटी।

असम में मंगलवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। यह झटके सुबह 9:22 बजे आए। भूकंप से हिलने लगे पंखे और घर का सामान। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.2 मापी गई। हालांकि अभी तक किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भूकंप का केंद्र मांजा असम में बताया जा रहा है। झटके के बाद लोग घबराकर घरों से बाहर आ गए।

एक सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक यह मध्यम श्रेणी का भूकंप था, लेकिन स्थानीय स्तर पर दहशत का माहौल पैदा हो गया।

बता दें इस साल फरवरी में असम के गुवाहाटी, नागांव और तेजपुर समेत कई इलाकों में 5.0 तीव्रता का भूकंप आया था। लगातार भूकंपीय गतिविधियों से क्षेत्र की संवेदनशीलता को लेकर चिंता बढ़ गई है। भूकंप सिर्फ भारत में नहीं, इसके पड़ोसी देशों में भी ज़मीन कांप रही है। नेपाल में 30 जून को 3.9 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। झटके इतने तेज़ थे कि लोग घरों से बाहर निकलकर भागने लगे। पाकिस्तान में 29 जून को 5.3 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे वहां भी अफरा-तफरी मच गई।

बता दें भारत का भूकंपीय इतिहास भी काफी भयावह रहा है। जनवरी 2001 में गुजरात के भुज में आए विनाशकारी भूकंप ने हजारों लोगों की जान चली गई थी। 2005 में कश्मीर में आए भूकंप ने भारी तबाही मचाई थी। 2011 में सिक्किम में 6.9 तीव्रता का भूकंप आया था। मणिपुर और अन्य पूर्वोत्तर राज्य भी समय-समय पर भूकंप से प्रभावित होते रहे हैं। असम, नागालैंड, मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश को सिस्मिक ज़ोन वी यानी सबसे संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। लगातार हो रही भूकंपीय गतिविधियों को देखते हुए विशेषज्ञ इन इलाकों में आपदा प्रबंधन और जागरूकता बढ़ाने की अपील कर रहे हैं।

भारतीय वायुसेना की अक्लमंदी के सामने उल्लू बन गई मुनीर की सेना, इस तरह दिया चकमा

नई दिल्ली।

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को ऐसा चकमा दिया कि उसकी सारी पोल खुल गई। इस ऑपरेशन ने भारतीय वायुसेना (आईएएफ) की उन्नत इलेक्ट्रॉनिक युद्ध रणनीतियों को दुनिया के सामने ला दिया। पूर्व अमेरिकी एफ-15ई स्ट्राइक ईगल और एफ-16 थंडरबर्ड पायलट रयान बोडेनहाइमर ने आईएएफ की रणनीतियों को अब तक का सबसे बेहतरीन स्पूफिंग और डिसेप्शन (भ्रम और धोखा) बताया। उन्होंने इस सफलता का श्रेय राफेल जेट के एक्स-गार्ड जैमिंग डिकॉय और स्पेक्ट्र ईवी सूट को दिया, जिसने पाक की पीएल-15ई मिसाइलों को धोखा दिया। पाकिस्तान ने दावा किया कि उसकी सेना ने पांच भारतीय जेट्स, जिसमें तीन राफेल शामिल थे, को मार गिराया। लेकिन भारतीय सूत्रों और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने इन दावों को खारिज कर कहा कि ये नष्ट हुए डिकॉय (एक्स-गार्ड) थे, न कि असली राफेल जेट्स। इस ऑपरेशन में आईएएफ की इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तकनीकों ने पाकिस्तान वायुसेना को पूरी तरह भ्रमित किया। एक्स-गार्ड एक इजरायली निर्मित फाइबर-ऑप्टिक टोड डिकॉय है, जिसे राफेल जेट्स के स्पेक्ट्र इलेक्ट्रॉनिक युद्ध सूट के साथ एकीकृत किया गया है। यह 30 किलोग्राम का उपकरण राफेल जेट के पीछे तार द्वारा खींचा जाता है। दुश्मन के रडार और मिसाइलों को धोखा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। 360 डिग्री जैमिंग सिग्नल: एक्स-गार्ड 360 डिग्री के दायरे में जैमिंग सिग्नल भेजता है, जो दुश्मन के रडार और मिसाइलों के सक्रिय सीकर्स को भ्रमित करता है। यह रडार सिग्नेचर को नकली बनाता है, जिससे ऐसा लगता है कि यह एक असली जेट है। इतना ही नहीं एक्स-गार्ड में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग होता है, जो रडार सिग्नल के डॉप्लर शिफ्ट और सिग्नेचर की कॉपी करता है। यह दुश्मन के रडार को भ्रमित करने के लिए रीयल-टाइम में सिग्नल को बदलता रहता है, जिससे मिसाइलें असली जेट के बजाय डिकॉय को निशाना बनाती हैं।

एएआईबी ने अहमदाबाद विमान हादसे की शुरुआती जांच रिपोर्ट मंत्रालय को सौंपी

नई दिल्ली।

अहमदाबाद विमान हादसे की विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने शुरुआती रिपोर्ट सौंपी है। यह रिपोर्ट नागरिक उड्डयन मंत्रालय को सौंपी गई है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि जो रिपोर्ट सौंपी गई है वह जांच के शुरुआती निष्कर्षों पर आधारित है। एएआईबी ने दुर्घटना की जांच की। जांच के बाद एक शुरुआती रिपोर्ट तैयार की है।

बता दें 12 जून को लंदन जाने वाली एयर इंडिया की बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर अहमदाबाद से उड़ान भरने के तुरंत बाद एक हॉस्टल से टकरा गई थी। इस हादसे में विमान में सवार 241 लोगों की जान चली गई थी। एक यात्री बच गया था। ब्लैक बॉक्स 13 जून को दुर्घटना स्थल से बरामद हुआ था। हाल ही में नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने बताया था कि अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान हादसे की ब्लैक बॉक्स की जांच भारत में ही हो रही है। एएआईबी इसकी जांच कर रहा है। मंत्री ने उन खबरों को गलत बताया जिनमें कहा जा रहा था कि ब्लैक बॉक्स को जांच के लिए विदेश भेजा गया है।

नायडू ने कहा ब्लैक बॉक्स भारत में ही है। उन्होंने साफ कहा कि ब्लैक बॉक्स को विदेश नहीं भेजा गया है। जब उनसे पूछा गया कि ब्लैक बॉक्स से डेटा निकालने में कितना समय लगेगा, तो नायडू ने कहा कि यह एक तकनीकी मामला है। यह भी कहा कि सरकार ने इस घटना के कारणों की जांच के लिए एक उच्च-स्तरीय पैनल गठित किया है।

बागेश्वर धाम आए श्रद्धालु हुए हादसे का शिकार, 1 महिला की मौत 11 लोग हुए घायल

छतरपुर।

जिले की बागेश्वर धाम में एक बार फिर बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में करीब एक दर्जन श्रद्धालु घायल हुए हैं, जबकि एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, बागेश्वर धाम में आए हुए कुछ श्रद्धालु एक ढाबे में बने हॉल में सो रहे थे तभी मंगलवार सुबह 4-00 बजे अचानक तेज बारिश होने के कारण उस ढाबे की दीवार गिर गई। इसके चलते अंदर सो रहे 12 से 15 लोग मलबे में दब गए। उनमें में से एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल लाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। छतरपुर के सीएमएचओ आरपी गुप्ता ने बताया, ÷गढ़ा गांव में बागेश्वर धाम के पास आज सुबह भारी बारिश के कारण एक ढाबे की दीवार ढह जाने से कुछ श्रद्धालु घायल हुए हैं, उन्हें अस्पताल लाया गया है। इनका चल रहा है। 10 लोग घायल हैं, एक व्यक्ति की मौत हुई है। 1-2 लोगों को ज्यादा चोट आई है। इसके पहले बागेश्वर धाम में बीते 6 दिन में बारिश के चलते हुआ यह दूसरा हादसा है। इससे पहले 3 जुलाई को भी बागेश्वर धाम परिसर में भारी बारिश के कारण पंडाल गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए थे। इस घटना में घायल हुए एक श्रद्धालु गुलाब ने बताया कि वह कोलकाता का रहने वाला है और बागेश्वर धाम में अपनी अर्जी लगाने के लिए आया हुआ था। सोमवार की रात उसने एक ढाबे में बने बड़े से हॉल में 100 रुपये देकर सोने के लिए एक बिस्तर लिया था।

दुनिया के कई देशों में जून का महीना रहा सबसे गर्म, यूएन ने जताई चिंता

नई दिल्ली।

जून 2025 का महीना 12 देशों के लिए अब तक का सबसे गर्म महीना रहा, जबकि 26 अन्य देशों में भी रिकॉर्ड स्तर की गर्मी पड़ी। यूरोप, एशिया और अफ्रीका के करीब 790 मिलियन लोग इस खतरनाक गर्मी से प्रभावित हुए। आंकड़ों के मुताबिक यह बढ़ती गर्मी जलवायु परिवर्तन का संकेत है। पश्चिमी और दक्षिणी यूरोप में जून के अंत में पड़ी लू ने बेल्जियम, फ्रांस और नीदरलैंड जैसे देशों को बुरी तरह झुलसा दिया।

स्विट्जरलैंड, इटली और सभी बाल्कन देशों में तापमान जून के औसत से 3 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। जापान में 1898 से रिकॉर्ड रखे जाने के बाद से सबसे गर्म जून रहा। 14 शहरों में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ी। समुद्री तापमान भी सामान्य से 1.2 डिग्री ज्यादा रहा। दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया दोनों में औसत से 2 डिग्री ज्यादा तापमान दर्ज हुआ। चीन में सबसे गर्म जून माह रहा। कई जगह 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर तापमान गया। पाकिस्तान और ताजिकिस्तान में जून का महीना इतिहास का सबसे गर्म रहा। अफगानिस्तान, ईरान, उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान में अप्रैल से जून के बीच सबसे गर्म दर्ज हुआ।

नाइजीरिया, दक्षिण सूडान, कांगो और इथियोपिया में भीषण गर्मी पड़ी। दक्षिण सूडान में 2.1 डिग्री की असामान्य बढ़त दर्ज हुई। गर्मी के कारण छात्रों के बेहोश होने पर स्कूल बंद कर दिए गए। संयुक्त राष्ट्र की विश्व मौसम विज्ञान संस्था ने चेताया कि जलवायु परिवर्तन से अफ्रीका में भूख, सुरक्षा और विस्थापन की समस्याएं बढ़ रही हैं।

खनिज संसाधनों का इस्तेमाल दूसरों के खिलाफ हथियार के रूप में नहीं हो

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी ने इशारों में चीन को दिया साफ संदेश

नई दिल्ली।

पीएम नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स देशों से अहम खनिजों की सप्लाई चेन को सुरक्षित रखने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि इन सप्लाई चेन पर किसी भी देश का एकाधिकार नहीं होना चाहिए। ब्राजील के रियो डी जनेरियो में 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी ने चेतावनी दी कि रणनीतिक संसाधनों का इस्तेमाल हथियार के रूप में नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि किसी भी देश को इन संसाधनों का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए या दूसरों के खिलाफ हथियार के रूप में नहीं करना चाहिए। उनका इशारा चीन की ओर था, जो दुर्लभ पृथ्वी के खनिजों के उत्पादन में सबसे आगे है। पीएम मोदी ने ब्रिक्स देशों से मिलकर काम करने और सप्लाई चेन को सुरक्षित बनाने का आह्वान किया।

उन्होंने वैश्विक संस्थानों में सुधार की बात कही ताकि विकासशील देशों को ज्यादा महत्व मिल सके।

बता दें हाल ही में चीन ने दुर्लभ धातुओं के निर्यात पर नियंत्रण बढ़ा दिया है। ये धातुएं स्वच्छ ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए बहुत जरूरी हैं। कई देश इसे चीन का आर्थिक दबाव बनाने का तरीका मान रहे हैं। भारत, ब्राजील, रूस, चीन और दक्षिण अफ्रीका ब्रिक्स समूह के सदस्य हैं। अब इस समूह में 11 देश शामिल हो गए हैं। पीएम मोदी ने सभी देशों से मिलकर सप्लाई चेन को सुरक्षित बनाने और तकनीकी सहयोग बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, आईएमएफ, विश्व बैंक और डब्ल्यूटीओ जैसे संगठनों में बदलाव की मांग की। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों में विकासशील देशों को ज्यादा महत्व मिलना चाहिए।

बता दें भारत चीन पर अपनी निर्भरता कम करना चाहता है। वह चीन के नियंत्रण को खतरा मानता है। इसलिए भारत दूसरे देशों के साथ मिलकर आर्थिक संबंध मजबूत कर रहा है।

1971 की लड़ाई के बाद हिंदुस्तान ने इजाजत दी, आज वह कैसे घुसपैठिए बन गए?

बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर ओवैसी ने उठाए सवाल

नई दिल्ली।

बिहार में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण और सत्यापन को लेकर सियासत गरमाई हुई है। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने मतदाता सूची पुनरीक्षण पर सवाल उठाते हुए कहा कि बार-बार बदलते दिशा निर्देश से भी भ्रम की स्थिति पैदा हो गगई है। इस मुद्दे पर अब ओवैसी भी चुनाव आयोग पहुंच गए हैं।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण को चुनाव आयोग की ओर से जल्दबाजी में लिया गया फैसला बताया और कहा कि मतदाता सूची से 15-20 फीसदी लोग बाहर किए जाते हैं, तो वह लोग अपनी नागरिकता भी गंवाएंगे। उन्होंने कहा कि हम पुनरीक्षण के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन समय दिया जाना चाहिए।

ओवैसी ने यह भी कहा कि अगर किसी का मतदाता सूची से नाम काटा जाता है, वह व्यक्ति न सिर्फ अपने मताधिकार से वंचित होता है, बल्कि यह आजीविका से जुड़ा मुद्दा है। उन्होंने कहा कि हमारा एकमात्र मुद्दा यह है कि चुनाव आयोग किस तरह से इतने कम समय में इस तरह की प्रक्रिया पूरी कर सकता है?

ओवैसी ने कहा कि लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है और हमने चुनाव आयोग के सामने ये व्यावहारिक समस्याएं रखी हैं। हमने चुनाव आयोग को अवगत करा दिया है कि बीएलओ को कोई हैंडबुक नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि बिहार में इस समय बारिश हो रही है। गरीबों के पास डॉक्यूमेंट्स नहीं हैं। हमने चुनाव आयोग से अंतिम तिथि बढ़ाने की मांग की है।

ओवैसी ने घुसपैठ और बांग्लादेशियों को लेकर बीजेपी और आरएसएस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बीजेपी और आरएसएस झूठ फैला रहे हैं कि बांग्लादेश से घुसपैठिए आ गए हैं। सन 1971 की लड़ाई के बाद हिंदुस्तान ने जिन्हें आने की इजाजत दी थी, आज वह लोग कैसे घुसपैठिए बन गए? ओवैसी ने सवालिया अंदाज में कहा कि अगर कोई घुसपैठिया है, तो 2024 के लोकसभा चुनाव उनको मतदान क्यों करने दिया गया? हम अन्य विपक्षी दलों के साथ बैठकर बात करेंगे कि आगे क्या करना है।

जमानत मिलनी चाहिए और जेल तभी हो, जब बहुत जरूरी हो

सीजेआई ने कहा- जेल अपवाद वाला सिद्धांत भूल गए हैं लोग

नई दिल्ली।

भारत के चीफ जस्टिस बीआर गवई ने कहा है कि आजकल जमानत नियम है, जेल अपवाद वाला सिद्धांत लोग भूल गए हैं। इस सिद्धांत का मतलब है, आम तौर पर जमानत मिलनी चाहिए और जेल तभी हो, जब बहुत जरूरी हो। सीजेआई गवई ने कहा कि कई सालों तक अदालतों ने इस बात को माना है, लेकिन आजकल इसे ठीक से लागू नहीं किया जा रहा है। उन्होंने यह बात कोच्चि में जस्टिस वीआर कृष्णा अय्यर मेमोरियल लॉ लेक्चर देते हुए कही।

सीजेआई ने कहा कि उन्होंने खुद कई मामलों में जमानत देते समय इस नियम को फिर से स्थापित करने की कोशिश की है। इससे हाईकोर्ट और निचली अदालतों को भी ऐसा करने का रास्ता मिला। उन्होंने कहा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मुझे पिछले साल 2024 में प्रबीर पुरकायस्थ, मनीष सिसोदिया और कविता बनाम ईडी के मामलों में इस कानूनी सिद्धांत को दोहराने का अवसर मिला। इसका मतलब है कि उन्होंने इन मामलों में जमानत देते समय इस सिद्धांत को ध्यान में रखा।

जस्टिस अय्यर के बारे में सीजेआई गवई ने कहा कि वे उन लोगों के हक में थे जो बिना मुकदमे के जेल में बंद हैं। उन्होंने हमेशा ऐसे लोगों के अधिकारों की रक्षा की। हमें भी उनका तरीका अपनाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने भी हाल के वर्षों में खासकर 2024 में, कई ऐसे फैसले दिए हैं जिनसे उन कैदियों को फायदा हुआ, जिनका मुकदमा अभी तक शुरू नहीं हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

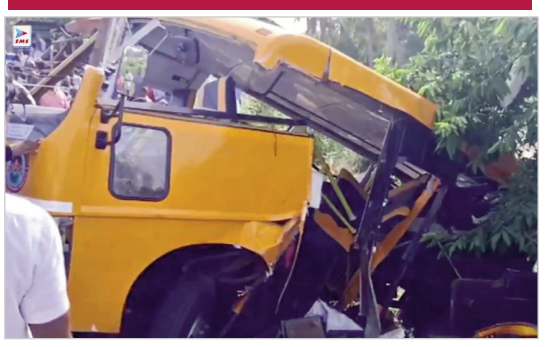

रेलवे क्रॉसिंग पार कर रही वैन को ट्रेन ने मारी टक्कर, 3 बच्चों की मौत कई घायल

टक्कर के बाद 50 मीटर दूर तक घसीटती गई वैन, लोगों में आक्रोश

चेन्नई।

तमिलनाडु के कुड्डालोर जिले में चेम्मन कुप्पम के पास मंगलवार सुबह रेलवे क्रॉसिंग पर एक स्कूल वैन को ट्रेन ने टक्कर मार दी, जिसमें तीन बच्चों की मौत हो गई और वैन चालक समेत 10 बच्चे गंभीर रूप से घायल होने की पुष्टि हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना उस समय हुई जब स्कूल वैन चेम्मन कुप्पम के पास रेलवे ट्रैक पार करने की कोशिश कर रही थी। चिदंबरम जा रही यात्री ट्रेन वैन से टकरा गई और वैन करीब 50 मीटर तक घसीटती चली गई। टक्कर के कारण वैन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और तीन बच्चों ने मौके पर मौत हो गई। कुछ छात्रों की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस दुर्घटना में मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दुर्घटना के समय वैन में स्कूली बच्चे थे। गंभीर रूप से घायल चालक और बच्चों को इलाज के लिए कुड्डालोर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सा अधिकारी उनका इलाज कर रहे हैं और उनकी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। हादसे के बाद वहां चीख पुकार मच गई। हादसे के बाद लोग मौके पर पहुंचे और बच्चों को बचाने की कोशिश की। पुलिस को भी सूचना दी गई। स्थानीय लोगों और रेलवे अधिकारियों के मुताबिक शुरुआती जांच में यह हादसा स्कूल वैन चालक की लापरवाही के चलते हुआ है। हालांकि 3 बच्चों की मौत के बाद उनके अभिभावकों और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। उन्होंने स्कूल क्षेत्रों के पास रेलवे क्रॉसिंग पर कड़े सुरक्षा उपायों की मांग की है। रेलवे आरपीएफ और जिला प्रशासन की टीम ने इस घटना की जांच में जुट गई हैं, ताकि दुर्घटना के सही कारणों का पता लगाया जा सके और जिम्मेदारी तय की जा सके। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि जांच के निष्कर्षों के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

लूटपाट करने ज्वैलरी शॉप में घुसे बदमाश, रोकने पर व्यापारी को मारी गोली

आसपास के लोगों ने भाग रहे आरोपियों का किया पीछा, एक को दबोचा

सूरत।

गुजरात के सूरत में लूटपाट करते समय चार हथियारबंद लुटेरों ने एक सराफा व्यापारी की गोली मारकर हत्या कर दी और एक को घायल कर दिया। डीएसपी ने बताया कि घटना सोमवार की रात को हुई इस वारदात के बाद तीन लुटेरे भागने में कामयाब रहे जबकि एक को लोगों ने पीछा कर पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर अन्य आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है। जानकारी के मुताबिक पुलिस ने बताया कि सोमवार रात चार हथियारबंद लुटेरे सचिन इलाके में श्रीनाथ ज्वैलर्स शोरूम में घुसे। जब शोरूम के मालिक आशीष राजपारा ने लुटेरों के रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने राजपारा पर गोली चला दीं। राजपारा के सीने में दो गोलियां लगीं जिससे वह वहीं गिर गए जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया और कुछ ही देर बाद उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है पुलिस आसपास के सीसीटीवी खंगाल रही है ताकि आरोपियों का पता लगाया जा सके वहीं पकड़े गए एक आरोपी से पूछताछ कर रही है।

नाबालिग का अपहरण कर ट्रेन में किया दुष्कर्म, स्टेशन पर लड़की को छोड़कर भागा

मुंबई।

महाराष्ट्र के ठाणे में पुलिस ने नाबालिग लड़की के अपहरण और दुष्कर्म के आरोप में एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने ने बताया कि इस युवक ने लड़की का अहपरण कर अकोला ले जाते हुए ट्रेन में उसके साथ दुष्कर्म किया। लड़की डोंबिवली इलाके के मनपाड़ा में आदिवली की रहने वाली है। जीआरपी के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक ने बताया कि 20 साल के आरोपी ने 30 जून को लड़की को ट्रेन से अकोला ले गया और रास्ते में उसके साथ दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि अकोला में रहने वाले युवक के माता-पिता ने उसे और लड़की को अपने घर के अंदर नहीं आने दिया, इसके बाद वह उसे अकोला रेलवे स्टेशन पर छोड़कर घर चला गया। अकोला जीआरपी ने लड़की को स्टेशन पर देखा तो उससे पूछताछ की, जिसके बाद उसने उन्हें अपराध के बारे में बताया। जीआरपी ने जीरो एफआईआर दर्ज की और मामले को स्थानांतरित कर दिया। पुलिस ने बताया कि कल्याण जीआरपी ने रविवार को युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस आरोपी युवक की तलाश कर रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

उत्तरी इराक में गुफा में मीथेन गैस के संपर्क में आने से पांच सैनिकों की मौत

बगदाद, एजेंसी। उत्तरी इराक की एक गुफा में 2022 में कुर्द उग्रवादियों द्वारा मारे गए एक सैनिक के अवशेषों की रविवार को तलाश करते समय मीथेन गैस के संपर्क में आने से तुर्किये के पांच सैनिकों की मौत हो गई। तुर्किये के रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि सैनिक एक पहाड़ी गुफा में अवशेष तलाश रहे थे, तभी 19 सैनिक मीथेन गैस के संपर्क में आ गए। यह गैस बिना रंग और गंध की होती है, ज्वलनशील होती है और ज्यादा मात्रा में होने पर दम घुटने से मौत भी हो सकती है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जिसमें से पांच जवान की मौत हो गयी।'' इसमें कहा गया, ''इलाके में बचाव अभियान जारी है।

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पाकिस्तानी तालिबान ने अर्धसैनिक बल के तीन जवानों की हत्या की

क्वेटा, एजेंसी। उत्तर-पश्चिमी ख़ैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पाकिस्तानी तालिबान से जुड़े आतंकवादियों द्वारा कथित तौर पर दो दिनों तक बंधक बनाए रखने के बाद अर्धसैनिक बल के तीन जवानों की हत्या कर दी गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के शहजैब बेटनी समूह के आतंकवादियों ने दो दिन पहले टैंक जिले में एक यात्री वाहन से तीन निहत्थे फ्रंटियर कॉर्प्स जवानों को अगवा कर लिया। उसने बताया कि दोनों के शव लक्की मरवात जिले के पेजू बयाना क्षेत्र के पहाड़ी क्षेत्र में पाए गए। उनकी पहचान लांस नायक नसीम, लांस नायक मुहम्मद राशिद और सिपाही मुहम्मद शेर के रूप में हुई है।

ट्रंप प्रशासन की कार्रवाई के खिलाफ मुकदमा शुरू, कॉलेजों में फलस्तीन समर्थकों को बनाया गया निशाना

वॉशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन की एक और कार्रवाई कानूनी मामले में फंस गई है। दरअसल ट्रंप प्रशासन ने कॉलेज कैंपसेस में फलस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन करने वाले कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की थी। जिसके खिलाफ संघीय अदालत में मामला दायर किया, जिस पर संघीय अदालत ने सोमवार को सुनवाई शुरू की। यह मुकदमा कई विश्वविद्यालयों द्वारा राष्ट्रपति ट्रंप और उनके प्रशासन के कई अधिकारियों के खिलाफ दायर किया गया। वादियों का कहना है कि ट्रंप प्रशासन की कार्रवाई अमेरिकी संविधान के पहले संशोधन और प्रशासन प्रक्रिया कानून का उल्लंघन करती है। मुकदमा दायर करने वाले विश्वविद्यालयों का कहना है कि सरकार की कार्रवाई से छात्र और शिक्षक डरे हुए हैं। छात्र और शिक्षक अब राजनीतिक विरोध प्रदर्शनों से दूरी बना रहे हैं। साथ ही फलस्तीन समर्थक समूहों से भी दूर हो रहे हैं। अब छात्र कक्षाओं में भी आत्म संयम बरत रहे हैं और इस मुद्दे पर कोई बात नहीं करते। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिका का अप्रवासन विभाग विभिन्न अमेरिकी विश्वविद्यालयों में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। ट्रंप प्रशासन का आरोप है कि फलस्तीन समर्थन के तहत कुछ छात्र हमास का समर्थन कर रहे हैं। मुकदमे में मोहम्मद खलील का भी जिक्र है, जिसे अप्रवासन विभाग ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी में फलस्तीन के समर्थन में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने पर हिरासत में ले लिया था। मोहम्मद खलील को 104 दिनों तक हिरासत में रखने के बाद बीते महीने ही रिहा किया गया है। मुकदमे में ट्फ्ट्स यूनिवर्सिटी की छात्रा रुमेया ओजतुर्क का भी जिक्र है, जिसे लुइसियाना के अप्रवासन विभाग के हिरासत केंद्र से मई में रिहा किया गया। रुमेया ने करीब छह हफ्ते हिरासत केंद्र में बिताए। उसे बोस्टन उपनगर में उस वक्त गिरफ्तार किया गया था, जब वह सड़क पर टहल रही थी। रुमेया का दावा है कि उसने बीते साल गाजा में इस्राइल की कार्रवाई की आलोचना करते हुए एक सह-लेख लिखा था।

चीन में सत्ता हस्तांतरण की अटकलें तेजः शी जिनपिंग की सत्ता पर पकड़ हो रही ढीली? संगठनों को सौंप रहे अधिकार

बीजिंग, एजेंसी। चीन की सत्ता पर राष्ट्रपति शी जिनपिंग की पकड़ ढीली होती दिखाई दे रही है। जिनपिंग 12 साल से अधिक समय के अपने शासनकाल में पहली बार सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख संगठनों को अधिकार सौंप रहे हैं। इससे अटकलें लगाई जा रही हैं कि वे व्यवस्थित सत्ता हस्तांतरण के लिए आधार तैयार कर रहे हैं या संभावित सेवानिवृत्ति की तैयारी के तहत अपनी भूमिका को कम कर रहे हैं। जिनपिंग के सत्ता हस्तांतरण के बारे में अटकलें तब तेज हुईं जब सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने हाल ही में बताया कि सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के शक्तिशाली 24 सदस्यीय राजनीतिक ब्यूरो ने 30 जून को अपनी बैठक में पार्टी के संस्थानों के काम को लेकर नए नियमों की समीक्षा की। जिनपिंग की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि ये नियम सीपीसी केंद्रीय समिति की निर्णय लेने वाली, विचार-विमर्श करने वाली व समन्वयकारी संस्थाओं की स्थापना, जिम्मेदारियों व संचालन को और अधिक मानकीकृत करेंगे। रिपोर्ट में कहा गया कि ऐसी संस्थाओं को अपने प्रमुख कार्यों के संबंध में नेतृत्व व समन्वय को लेकर अधिक प्रभावी प्रयोग करने चाहिए तथा प्रमुख कार्यों की योजना बनाने, चर्चा करने और देखरेख करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। चीन में रहने वाले एक राजनीतिक विश्लेषक ने कहा कि पार्टी के इन निकायों के लिए निर्धारित किए गए नियम जिनपिंग की सेवानिवृत्ति की तैयारी का संकेत हो सकते हैं। हांगकांग के समाचार पत्र साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने रविवार को विश्लेषक के हवाले से कहा, सत्ता परिवर्तन के उद्देश्य से यह महत्वपूर्ण समय है। इसलिए हो सकता है कि निकायों को विनियमित करने के लिए ये नए नियम बनाए गए हैं। हालांकि, दूसरे विशेषज्ञों का कहना है कि सीपीसी के संस्थापक माओत्से तुंग के बाद सबसे शक्तिशाली नेता माने जाने वाले जिनपिंग खुद कुछ बड़े मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कुछ शक्तियां दूसरों को सौंप सकते हैं। जिनपिंग ने सत्ता सौंपने का कदम ऐसे समय उठाया है, जब ट्रंप ने टैरिफ युद्ध शुरू कर दिया है। चीन का अमेरिका को होने वाला 440 अरब डॉलर का निर्यात बाधित हो रहा है।

ट्रम्प ने नई पार्टी बनाने पर मस्क का उड़ाया मजाक

बोले- वे पूरी तरह पटरी से उतर चुके, बेकाबू ट्रेन जैसे हो गए

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नई पार्टी बनाने पर अरबपति कारोबारी इलॉन मस्क का मजाक उड़ाया है। ट्रम्प ने कहा कि उन्हें दुख हो रहा है कि इलॉन मस्क पूरी तरह पटरी से उतर चुके हैं और पिछले पांच हफ्तों में एक बेकाबू ट्रेन जैसे हो गए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर ट्रम्प ने कहा कि मस्क अब अमेरिका में तीसरी राजनीतिक पार्टी शुरू करना चाहते हैं, जो इतिहास में कभी सफल नहीं रही है।

ट्रम्प ने कहा, अमेरिका की व्यवस्था ऐसी पार्टियों के लिए बनी ही नहीं है। तीसरी पार्टियों का एक ही काम होता है, अव्यवस्था और अराजकता फैलाना। और हमारे पास पहले से ही पर्याप्त अराजकता है, जिसे रैडिकल लेफ्ट डेमोक्रेट्स फैला रहे हैं। अरबपति बिजनेसमैन इलॉन मस्क ने शनिवार को अमेरिका में एक नई पॉलिटिकल पार्टी बनाने का ऐलान किया। उन्होंने इसका नाम अमेरिका पार्टी रखा है।

मस्क ने सोशल मीडिया पर पोल के बाद पार्टी बनाई : मस्क ने अपनी सोशल पोस्ट में कहा कि आप में से 66 प्रतिशत लोग एक नई राजनीतिक पार्टी चाहते हैं और अब यह आपको मिलेगी। जब बात अमेरिका को बर्बाद करने और भ्रष्टाचार की आती है तो अमेरिका में दोनों पार्टी (रिपब्लिकन और डेमोक्रेट) एक ही जैसी हैं। अब देश को 2 पार्टी सिस्टम से आजादी मिलेगी। उन्होंने लिखा- आज अमेरिका पार्टी का गठन किया जा रहा है, ताकि आपको आपकी आजादी वापस मिल सके।÷ इसे लेकर उन्होंने एक्स पर पब्लिक पोल भी किया था।

मस्क ने 4 जुलाई को अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक्स पर एक पोल पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने पूछा था कि क्या आप दो पार्टी वाले सिस्टम से आजादी चाहते हैं? क्या हमें अमेरिका पार्टी बनानी चाहिए? पोल के नतीजों में 65.4 प्रतिशत लोगों ने ÷हां÷ और 34.6 प्रतिशत ने ÷नहीं÷ में वोट दिया।

मस्क चुनाव नहीं लड़ सकेंगे, किंगमेकर बनना चाहते हैं : अमेरिकी संविधान के अनुसार अमेरिका में जन्मा शख्स ही चुनाव लड़ सकता है। मस्क का जन्म दक्षिण अफ्रीका में हुआ है। ऐसे में वे अमेरिका में चुनाव नहीं लड़ सकते हैं। मस्क अपने उम्मीदवारों को मैदान में उतारेंगे। नवंबर, 2026 में हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव की सभी 435 और सीनेट की 100 में से 34 सीटों पर चुनाव होंगे।

मस्क का प्लान हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव की 8-10 व सीनेट की 3-4 सीटें जीतना है, जिससे ट्रम्प के बिलों पर रोक लगाकर वे किंगमेकर की भूमिका में आ सकें। मस्क ने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प को 2500 करोड़ रु. का चंदा दिया था। लेकिन फिर मस्क डीओजीई संस्था से अलग हुए और अब ट्रम्प के बिग ब्यूटीफुल बिल के विरोध में उतरे हुए हैं।

अमेरिका का टू पार्टी सिस्टम क्या है? : अमेरिका की राजनीति में बीते डेढ़ सौ साल से डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन दो ही पार्टियों का दबदबा रहा है। देश में राष्ट्रपति चुनाव से लेकर राज्यों की विधानसभाओं तक इन दोनों दलों का वर्चस्व हैं। इस टू-पार्टी सिस्टम को अमेरिकी लोकतंत्र की स्थिरता की वजह भी माना जाता है। डेमोक्रेटिक पार्टी की शुरुआत 1828 में एंड्रू जैक्सन के दौर में हुई। यह शुरुआत में किसानों और आम जनता की पार्टी मानी जाती थी। 20वीं सदी में यह सामाजिक कल्याण, न्यू डील जैसे आर्थिक सुधारों और नागरिक अधिकारों की पैरोकार बनी।

वहीं, रिपब्लिकन पार्टी 1854 में गुलामी के विरोध में बनी और अब्राहम लिंकन इसके पहले राष्ट्रपति बने। 20वीं सदी में यह व्यापार और टैक्स कट के समर्थन वाली पार्टी बन गई।

क्यों तीसरी पार्टी सफल नहीं हो पाई? : अमेरिका में कई बार तीसरी पार्टियां बनाई गईं, लेकिन सफल नहीं हो सकीं। 1912 में राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट ने बुल मूस पार्टी बनाई और 88 इलेक्टोरल वोट हासिल किए। हालांकि पार्टी अगले चुनाव तक भी नहीं टिक सकी। 1992 में रॉस पेरोट ने 19 प्रतिशत पॉपुलर वोट लिए, फिर भी एक भी इलेक्टोरल वोट नहीं मिला। इन दलों को फंडिंग, संगठन और मीडिया में जगह नहीं मिलती। वोटर्स भी उन्हें वोट काटने वाला मानते हैं। यही वजह है कि लिबर्टेरियन या ग्रीन पार्टी जैसी पार्टियां अब तक राष्ट्रपति चुनाव में 3-4 प्रतिशत से ज्यादा वोट नहीं ले पाई। अमेरिका में तीसरी पार्टी के सफल न हो पाने की बड़ी वजह इसका चुनावी सिस्टम है। यहां का चुनावी ढांचा टू पार्टी सिस्टम को सपोर्ट करता है।

माली में अगवा हुए भारतीयों के बदले फिरौती मांग रहे अलकायदा के आतंकी

बामाको, एजेंसी। पश्चिम अफ्रीकी देश माली में अगवा हुए तीन भारतीयों में से एक के रिश्तेदार ने दावा किया है कि अल-कायदा से जुड़ा आतंकी संगठन उन्हें छोड़ने के बदले फिरौती मांग रहा है। उन्होंने एक बार फिर केंद्र से मामले में शीघ्र हस्तक्षेप कर उनकी रिहाई सुनिश्चित करने की अपील की। माली के विभिन्न हिस्सों में एक जुलाई को सिलसिलेवार आतंकवादी हमलों के बीच एक सीमेंट फैक्टरी से तीन भारतीयों का अपहरण हो गया था। अल-कायदा से जुड़े जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन (जेएनआईएम) ने बाद में इन हमलों की जिम्मेदारी ली थी।

तीन अपहृत भारतीयों में से एक ओडिशा निवासी पी वेंकटरमण के बहनाई ने शनिवार को बताया कि शुरुआत में कंपनी ने उन्हें बताया था कि आतंकवादियों ने फैक्टरी को आग के हवाले कर दिया था। इसलिए वेंकट समेत कुछ लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। इसके बाद मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि आतंकवादियों ने कुछ लोगों का अपहरण कर लिया है। उन्होंने कहा, हमने इसकी पुष्टि करने के लिए कंपनी को फोन किया तो उन्होंने हमें यह सूचना लीक करने से मना कर दिया और कहा कि आतंकवादी लोगों के बदले में फिरौती मांग रहे हैं। वेंकटरमण के बहनोई ने सरकार से उनकी सुरक्षित घर वापसी अपील की है। उधर, विदेश मंत्रालय ने भारतीयों के अपहरण पर गहरी चिंता जताई है और माली के अधिकारियों से उनकी सुरक्षित और शीघ्र रिहाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

रूस और यूक्रेन के बीच ड्रोन हमले, हवाई यात्रा बाधित

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन ने रविवार को एक-दूसरे पर सैकड़ों ड्रोन से हमला किया, जिससे रूसी हवाई यातायात में व्यवधान उत्पन्न हो गया। यह हमला तीन साल से अधिक पुराने युद्ध में मॉस्को द्वारा सबसे बड़ा हवाई हमला करने के कुछ दिनों बाद हुआ है।

रूस के परिवहन मंत्रालय के अनुसार, सोशल मीडिया पर प्रसारित तस्वीरों में मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग सहित अन्य रूसी हवाई अड्डों पर भीड़ देखी जा सकती है, क्योंकि शनिवार और रात को यूक्रेनी ड्रोन हमलों के कारण सैकड़ों उड़ानें विलंबित या रद्द कर दी गईं।

मॉस्को के शेरेमेत्येवो और सेंट पीटर्सबर्ग के मुख्य पुलकोवो हवाई अड्डों पर उड़ानें बाधित रहीं। पश्चिमी और मध्य रूस के अन्य हवाई अड्डों पर भी उड़ानें बाधित रहीं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने रात के हमलों के दौरान 120 यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट कर दिया, और रविवार को दोपहर दो बजे से पहले 39 और ड्रोन को मार गिराया। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को बड़े पैमाने पर रूसी ड्रोन हमलों में कीव में तीन नागरिक और उत्तर-पूर्व में यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव में कम से कम दो नागरिक घायल हो गए।

स्थानीय गवर्नर विटाली किम के अनुसार, शाहेद ड्रोन से किए गए एक बड़े रूसी हमले में मध्य यूक्रेन के माइकोलाइव में बंदरगाह के बुनियादी ढांचे को भी निशाना बनाया गया। उन्होंने बताया कि गोदामों और बंदरगाह के बिजली ग्रिड को नुकसान पहुंचा है, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ।

अमेरिका के टेक्सास में बाढ़ से अबतक 80 मौतें:41 लोग लापता

कई इलाकों में फिर से बाढ़ की चेतावनी

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास राज्य में शुक्रवार को ग्वाडालूप नदी में अचानक आई बाढ़ से 3 दिन में 80 लोगों की मौत हो गई, जबकि 41 लापता हैं। नदी के पास लड़कियों का एक समर कैंप था, जो बाढ़ की चपेट में आ गया। हालांकि कैंप में मौजूद 750 लड़कियों को बचा लिया गया। टेक्सास के कई इलाकों में अभी भी हालात सामान्य नहीं हुए हैं। मौसम विभाग ने बाढ़ की चेतावनी जारी करते हुए ग्वाडालूप नदी के किनारे रहने वाले लोगों से ऊंची जगह जाने की अपील की है।

अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को टेक्सास के सैन एंटोनियो से लगभग 15 इंच (38 सेमी) तक बारिश हुई। महज 45 मिनट में नदी का लेवल 26 फीट (8 मीटर) बढ़ गया, जिससे घर और गाड़ियां बह गईं। हेलिकॉप्टर और ड्रोन्स से अभी लोगों की तलाश जारी है। क्रूमोदी ने भी शनिवार को बाढ़ में मारे गए बच्चों की मौत पर दुख जताया और पीड़ित परिवारों के लिए संवेदनाएं व्यक्त की।

रविवार को सेंट पीटर्स स्क्वायर में अपने संबोधन के दौरान पोप लियो एक्सआईवी ने अमेरिका के टेक्सास में ग्वाडालूप नदी में आई बाढ़ के पीड़ितों के लिए प्रार्थना की। उन्होंने खासकर समर कैंप में गई लड़कियों के परिवारों के लिए प्रार्थना की। पोप ने अंग्रेजी में कहा, ÷मैं उन सभी परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं, जिन्होंने इस आपदा में अपने प्रियजनों को खोया। हम उनके लिए प्रार्थना करते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प शुक्रवार को टेक्सास का दौरा कर सकते हैं। ट्रम्प ने कहा- हम वहां लगातार मौजूद रहेंगे। हम टेक्सास के नेताओं के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। यह एक भयानक घटना थी। हम उन सभी लोगों के लिए प्रार्थना करते हैं जिन्होंने इतना कुछ सहा है।

बारिश की वजह से नदी ने लोकल नाले और जलमार्गों को उफान पर ला दिया था, जिससे सड़कें डूब गईं थीं। ट्रेलर और वाहन बह गए। सैन एंटोनियो की इमरजेंसी टीमों ने हेलिकॉप्टर और ड्रोन के जरिए तलाश और बचाव कार्य शुरू किया। इलाके में मौजूद लोगों ने लोकल मीडिया को बताया कि बाढ़ का पानी अचानक आया और उन्हें पेड़ों पर चढ़कर जान बचानी पड़ी। बाढ़ की वजह से बिजली लाइनें गिर गईं और कर्विल के आसपास के इलाकों में लगभग 2,600 घरों की बिजली गुल हो गई थी।

बिलावल पर भड़का आतंकी हाफिज सईद का बेटा, कहा- उन्होंने पाकिस्तान की बेइज्जती कराई, बिलावल बोले थे- सईद को भारत प्रत्यर्पित करने को तैयार

इस्लामाबाद, एजेंसी। हाफिज सईद के बेटे तलहा सईद ने पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो पर पाकिस्तान को ग्लोबल लेवल पर बेइज्जत करने का आरोप लगाया। दरअसल, बिलावल ने दो दिन पहले कहा था कि पाकिस्तान हाफिज सईद और मसूद अजहर को भारत को सौंपने के लिए तैयार है, बशर्ते भारत इस प्रोसेस में सहयोग करे। तलहा ने कहा कि बिलावल का यह बयान पाकिस्तान की पॉलिसी, राष्ट्रीय हित और संप्रभुता के खिलाफ है। उन्होंने कहा- क्या कोई नेता अपने नागरिकों को दुश्मन देश को सौंपने की बात कर सकता है? तलहा जो खुद एक ग्लोबल आतंकी है उसने अपने पिता का बचाव करते हुए कहा- हाफिज सईद का कोई भी काम पाकिस्तान के खिलाफ नहीं है। बिलावल का बयान पाकिस्तान की इमेज को ग्लोबल लेवल पर बदनाम करने वाला है।

हाफिज सईद 33 साल की सजा काट रहा है : पाकिस्तान की नेशनल काउंटर टेररिज्म अथॉरिटी के मुताबिक, पाकिस्तान ने लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद दोनों को बैन कर रखा है।

हाफिज सईद को लश्कर-ए-तैयबा का मुख्य चेहरा माना जाता है। वह 26/11 मुंबई हमले का मास्टरमाइंड है। हाफिज सईद 2019 से लाहौर की कोट लखपत जेल में टेरर फंडिंग के लिए 33 साल की सजा काट रहा है, जबकि ग्लोबल आतंकवादी मसूद अजहर पर भी प्रतिबंधित लगाया गया है।

हाफिज सईद और मसूद अजहर के ठिकाने के बारे में पूछे जाने पर बिलावल ने दावा किया था कि हाफिज सईद जेल में है, जबकि मसूद अजहर के बारे में कोई जानकारी नहीं है शायद वह अफगानिस्तान में है।

अल जजीरा को दिए एक इंटरव्यू में बिलावल ने कहा- अगर भारत यह जानकारी दे कि अजहर पाकिस्तान में हैं, तो पाकिस्तान को उसे गिरफ्तार करने में खुशी होगी। मसूद अजहर भारत में 2001 के संसद हमले, 26/11 मुंबई हमले, 2016 के पठानकोट हमले और 2019 के पुलवामा हमले जैसे आतंकी हमलों में शामिल रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने उसे 2019 में ग्लोबल टेररिस्ट घोषित किया था।

ऑपरेशन सिंदूर में मारा गया था अजहर का परिवार : बिलावल का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब दो महीने पहले भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के कई आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था। इस हमले में मसूद अजहर के परिवार के 10 सदस्य और 4 सहयोगी मारे गए थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मसूद अजहर ने इसके बाद बयान जारी कर कहा था कि मैं भी मर जाता तो खुशनसीब होता। मरने वालों में उसकी बड़ी बहन और उसका पति, मसूद अजहर का भतीजा और उसकी पत्नी, मसूद की एक भतीजी और उसके पांच बच्चे शामिल थे। बयान में यह भी कहा गया है कि आतंकी मसूद के तीन करीबी सहयोगी भी मारे गए थे। इनके अलावा एक सहयोगी की मां की मौत भी हुई थी।

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच यमन में इस्राइल का हवाई हमला, हूती विद्रोहियों का पलटवार

दुबई, एजेंसी। इस्राइल ने अब ईरान का साथ देने वाले हूती विद्रोहियों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। इस्राइली सेना ने सोमवार सुबह यमन में हवाई हमला किया। इस्राइली सेना ने यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों, बंदरगाह और अन्य स्थानों पर मिसाइल दागी। जवाब में हूती विद्रोहियों ने भी इस्राइल पर मिसाइल हमला किया।

इस्राइल ने हमला हूतियों के लाल सागर में एक जहाज पर किए गए संदिग्ध हमले के बाद किया। हूतियों के हमले के बाद जहाज में आग लग गई और वह पानी में डूब गया। इस्राइली सेना ने कहा कि उसने हूतियों के कब्जे वाले होदेदा, रास ईसा और सालिफ बंदरगाहों पर हमला किया। सेना ने कहा कि इन बंदरगाहों का उपयोग हूती आतंकवादी ईरानी शासन से हथियारों को स्थानांतरित करने के लिए करते हैं। इन हथियारों का उपयोग बाद में इस्राइल और उसके सहयोगियों के खिलाफ आतंकी अभियान चलाने के लिए किया जाता है।

इस्राइली सेना ने कहा कि उसने गैलेक्सी लीडर नामक वाहन पर हमला किया, जिसे हूतियों ने नवंबर 2023 में जब्त कर लिया था। जब उन्होंने इस्राइल-हमास युद्ध को लेकर लाल सागर गलियारे में अपने हमले शुरू किए थे। हूतियों ने जहाज पर एक रडार प्रणाली स्थापित की है और इसका उपयोग वे अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में जहाजों पर नजर रखने के लिए कर रहे हैं, ताकि आगे की आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा सके।

इस्राइल के रक्षा मंत्री ने दी धमकी : इस्राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज़ ने आगे भी हमले की धमकी दी। काट्ज ने कहा कि जो ईरान के लिए सच है, वही यमन के लिए भी सच है। जो कोई भी इस्राइल के खिलाफ हाथ उठाएगा, उसका हाथ काट दिया जाएगा। हूतियों को अपने कामों की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

इसके बाद हूतियों ने इस्राइल पर मिसाइल हमला किया। इस्राइली सेना ने कहा कि उसने मिसाइल को रोकने की कोशिश की, लेकिन कोशिश सफल न हुई। हमले में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। वहीं हूतियों ने इस्राइली हमलों की बात स्वीकार की, लेकिन नुकसान की जानकारी नहीं दी। हूतियों के सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी ने दावा किया कि उनके वायु रक्षा बलों ने इस्राइलियों का बेहतर तरीके से सामना किया।

हूती विद्रोही लाल सागर में लगातार कर रहे हमले : यमन के हूती विद्रोही पिछले कई महीनों से इस क्षेत्र में वाणिज्यिक और सैन्य जहाजों को निशाना बना रहे हैं। उनका दावा है कि वे गाजा में इस्राइल के हमले के विरोध में ऐसा कर रहे हैं। एक जानकारी के मुताबिक, नवंबर 2023 से जनवरी 2025 तक हूतियों ने 100 से ज्यादा जहाजों पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए। इनमें से दो जहाज डूब गए और चार नाविकों की मौत हुई। इस कारण लाल सागर के व्यापार मार्ग पर असर पड़ा, जहां हर साल लगभग 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का व्यापार होता है।

हूतियों की स्थिति, यमन में गृहयुद्ध : बता दें कि, मार्च 2025 में अमेरिका ने हूती ठिकानों पर बड़ा हवाई हमला किया था, जिसके बाद हूतियों ने अपनी खुद के घोषित संघर्ष विराम को तोड़ दिया। हालांकि इसके बाद से उन्होंने सीधे किसी जहाज को नहीं निशाना बनाया, लेकिन इस्राइल की ओर मिसाइलें दागी जाती रही हैं। उधर, यमन में पिछले 10 वर्षों से चल रहा गृहयुद्ध- हूती विद्रोहियों और निर्वासित यमनी सरकार के बीच- अब भी सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के समर्थन से जारी है। लेकिन युद्ध एक तरह के जमीनी गतिरोध में फंसा हुआ है।

नेपालः मादक पदार्थ तस्करी में दो भारतीय और दो नेपाली गिरफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में मादक पदार्थ की तस्करी करने की दो अलग-अलग घटनाओं में भारत के दो नागरिकों सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि रविवार को एक गुप्त सूचना के आधार पर बिहार की 45-वर्षीय एक भारतीय महिला और पूर्वी नेपाल के मोरंग जिले के दो नेपाली नागरिकों को प्रतिबंधित सामग्री के साथ गिरफ्तार किया गया।

नेपाल पुलिस के 'नारकोटिक ड्रग्स कंट्रोल ब्यूरो' के अनुसार, आरोपियों की पहचान भारतीय महिला हसीना खातून के रूप में हुई है। वहीं, नेपाल के नागरिकों की पहचान 38 वर्षीय सुशील बुधाथोकी और 54 वर्षीय कृत्यानंद ठाकुर के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि वे 400 ग्राम ब्राउन हेरोइन ले जा रहे थे और उन्हें मोरांग जिले के रंगेली नगर पालिका से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने छापेमारी के दौरान तीनों को पकड़ने के लिए गोलियां चलाईं और उन्हें गिरफ्तार करने के बाद मामले में आगे की जांच शुरू कर दी है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

सूरत सचिन में लूट और मर्डर की घटना के बाद व्यापारी सहमे

सूरत सचिन ज्वेलर्स की दुकान में लूट के साथ मर्डर, FSL टीम और उच्च अधिकारी मौके पर जांच में जुटे

क्षेत्र में असामाजिक तत्व बे लगाम होकर स्थानीय लोगों को परेशान करने और व्यापारियों को धमकाने की घटनाएं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सचिन इलाके में कानून-व्यवस्था को लेकर लगातार शिकायतें उठती रहती हैं। खासकर इस क्षेत्र में असामाजिक तत्व बेलगाम होकर स्थानीय लोगों को परेशान करने और व्यापारियों को धमकाने की घटनाएं होती रहती हैं। लेकिन बीते दिन एक **लूट और मर्डर** की वारदात के बाद पूरे इलाके में गुस्से और डर का माहौल पैदा हो गया।

घटना श्रीनाथजी ज्वेलर्स की है, जहां बदमाशों ने लूट के इरादे से हमला किया और फायरिंग में आशिष राजपरा नामक कर्मचारी को गोली लगी। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद स्थानीय लोग और खासकर ज्वेलरी शोरूम के व्यापारी डरे हुए हैं।

"रात 8:30 से 9 बजे के बीच की घटना है। मेरी सब्ज़ी की लारी ज्वेलर्स की सामने वाली गली में है। 4 लोग दुकान में घुसे थे। जैसे ही बाहर निकले, आशिषभाई ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तभी फायरिंग हुई। फिर मैं भी दौड़ा। जब एक लुटेरा गाड़ी पर चढ़ा तो मैंने उसे पकड़ लिया, लेकिन उसने खुद को छुड़ाया और

मुझे गोली मार दी। इसके बाद भी मैंने उसका पीछा किया, और आगे भीड़ ने पकड़ लिया।"

आशिष राजपरा पास की ही दुकान में मौजूद थे और अपने लैपटॉप में लाइव CCTV फुटेज देख रहे थे। जैसे ही उन्हें लूट की खबर लगी, वे तुरंत मौके पर पहुंचे और लुटेरों को रोकने की कोशिश की। इस दौरान लुटेरों ने दो गोलियां उनके ऊपर चलाईं, जिससे उनकी मौत हो गई।

यह घटना सूरत में कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है, खासकर तब जब व्यापारी वर्ग पहले से ही असुरक्षा की भावना में जी रहा है। स्थानीय लोगों की सतर्कता से एक बड़ा नुकसान टल गया, लेकिन आशिष राजपरा की मौत ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया है।

सूरत के सचिन इलाके में 7 जुलाई की रात श्रीनाथजी ज्वेलर्स में हुई लूट और हत्या की घटना का LIVE वीडियो सामने आया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि जैसे ही लुटेरे गहनों से भरा थैला लेकर भाग रहे थे, तभी व्यापारी आशिष राजपरा ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इस पर लुटेरों ने फायरिंग शुरू कर दी और आशिष जमीन पर गिर पड़े। लुटेरों ने तीन राउंड फायर किए और फरार हो गए।

विधायक के क्षेत्र में उठे कानून-व्यवस्था पर सवाल

यह घटना स्थानीय विधायक संदीप देसाई के क्षेत्र में हुई है, जिसके चलते उनकी कार्यशैली और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर कई सवाल उठाए जा रहे हैं। व्यापारी वर्ग ने सरकार और प्रशासन से आरोपियों को सख्त से सख्त सजा देने की मांग की है।

फायरिंग गंभीर रूप से घायल हुए आशिष राजपरा

लूट के दौरान तीन राउंड फायरिंग की गई, जिसमें आशिष राजपरा को गंभीर चोट आई। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। आशिष को घायल करने के बाद लुटेरे भाग निकले, लेकिन मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने उनका पीछा किया।

लुटेरों ने तमंचे के बल पर लूटी दुकान

सचिन स्टेशन क्षेत्र के श्रीनाथजी ज्वेलर्स में रात करीब चार से पाँच लुटेरे दुकान में घुसे। उन्होंने तमंचा जैसे हथियार दिखाकर दुकान के मालिक आशिष महेश राजपरा (उम्र 40 वर्ष, निवासी रंगअवधूत सोसायटी, सचिन) को कब्जे में ले लिया और सोने-चांदी के गहनों को एक थैले में भरने को मजबूर किया।

बाकी तीन लुटेरे फरार, पुलिस ने शुरू की खोज

घटना के बाद बाकी तीन लुटेरे फरार हो गए हैं। पुलिस ने खास टीम बनाकर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को मिली शुरुआती जानकारी के मुताबिक, लुटेरे बिहार से लूट की योजना बनाकर आए थे, और सचिन इलाके के एक स्थानीय व्यक्ति ने उन्हें लूट की जानकारी दी थी। उस व्यक्ति से भी पूछताछ की जा रही है।

मृतक आशिष राजपरा के माता-पिता लंदन से लौट रहे

मृतक आशिष राजपरा के माता-पिता उस समय लंदन में छुट्टी पर थे। बेटे की मौत की सूचना मिलने के बाद वे सूरत के लिए रवाना हो गए हैं। पूरा परिवार और व्यापारी वर्ग गहरे शोक और सदमे में है।

फोस्टा और सचिन GIDC एसोसिएशन की मीटिंग में टेक्सटाइल सेक्टर को लेकर साझा रणनीति पर सहमति

औद्योगिक सहयोग बढ़ाने और समस्याओं के समाधान के लिए मिलकर काम करने का निर्णय

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, फेडरेशन ऑफ सूरत ट्रेड एंड टेक्सटाइल एसोसिएशन (फोस्टा) और सचिन इंडस्ट्रियल को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन पालीवाल जंक्शन, रोड नं. 6 स्थित नोटिफाइड भवन, सचिन GIDC में किया गया। इस बैठक का उद्देश्य टेक्सटाइल उद्योग से जुड़ी प्रमुख समस्याओं पर चर्चा करना और उद्योग के समग्र विकास के लिए आपसी सहयोग को बढ़ावा देना था।

बैठक के दौरान टेक्सटाइल सेक्टर की वर्तमान चुनौतियों, भविष्य की संभावनाओं और क्षेत्रीय औद्योगिक विकास पर विस्तृत चर्चा हुई। दोनों संगठनों ने साझा संकल्प लिया कि वे भविष्य में संयुक्त प्रयासों के माध्यम से टेक्सटाइल उद्योग को नई ऊँचाइयों पर ले जाने का कार्य करेंगे।

फोस्टा के अध्यक्ष कैलाश हाकिम एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ बैठक में सचिन GIDC नोटिफाइड के चेयरमेन मितुल मेहता, सचिन GIDC के अध्यक्ष निलेश गामी, सचिव मयूर गोलवाला, डाइरेक्टर उमेश डोबरिया, सचिन टेक्सटाइल प्रोसेस एसोसिएशन के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल, सचिन इन्फ्रा प्रा. लि. के चेयरमेन बिनय अग्रवाल तथा स्टीम हाउस से विशाल बुधिया समेत अन्य प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी प्रतिनिधियों ने टेक्सटाइल उद्योग के उज्ज्वल भविष्य के प्रति विश्वास जताया और आपसी समन्वय से उद्योग की समस्याओं के समाधान हेतु कार्य करने का संकल्प दोहराया। यह बैठक उद्योग जगत के लिए सहयोग और समृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

सावन मेले में उमड़ी महिलाओं की भीड़

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल महिला मैत्री संघ द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दो दिवसीय सावन मेले का आयोजन मंगलवार से सिटी-लाईट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के पंचवटी हॉल में किया गया।

मेले की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इस मौक़े पर मुख्य अतिथि के रूप में सूरत महानगरपालिका कमिश्नर शालिनी अग्रवाल एवं अतिथि विशेष के रूप में अतिथि विशेष के रूप में माउंटेनियर सिस्टर्स अदिति वैध एवं अनुजा जैन उपस्थित रही।

संघ की अध्यक्षा ज्योति पंसारी एवं सचिव वीणा बंसल ने बताया कि सावन मेले का आयोजन च्चसिंदूर नारी की शान... अन्तरिक्ष उसकी उड़ानज्ज थीम पर किया गया। पूरे हॉल की सजावट अंतरिक्ष, विमान, फ़ाइटरजेट आदि चिन्हों से की गई है। मेले में समय-समय पर ऑपरेशन सिन्दूर के नौजवानों के लिए जयकार लगाई गई। मेले के पहले दिन ही महिलाओं की अच्छी भीड़ देखने को मिली। मेले का आयोजन समाज की महिलाओं द्वारा उनके अंदर छिपी हुई उधमिता व हुनर का प्रदर्शन करने के किए किया गया। अग्रवाल समाज की महिलाओं द्वारा प्रस्तुत विभिन्न तरीको के डिजाइनर परिधान, ज्वेलरी व अन्य आर्ट- क्राफ्ट वर्क, आगामी रक्षाबंधन के मद्देनजर आकर्षक डिजाइन राखी इत्यादि का मनमोहक कौशल प्रदर्शन आदि का सर्व समाज से भारी संख्या में उपस्थित महिला विजीटर्स हेतु मुख्य आकर्षण रहा।

प्रसव के बाद अचानक तबीयत बिगड़ने से महिला की मौत

परिजनों का आरोप - डॉक्टर ने बिना बताए सिविल अस्पताल भेजा,अस्पताल ने आरोपों को नकारा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सचिन इलाके की मैत्री प्रसूति गृह में बच्चे को जन्म देने के बाद 25 वर्षीय सोनलबेन भरवाड़ की मौत हो गई। इसको लेकर परिवार ने अस्पताल के डॉक्टरों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। परिजनों का दावा है कि डॉक्टरों की लापरवाही के

चलते ही सोनलबेन की तबीयत बिगड़ी और उनकी मौत हुई। हालांकि, मैत्री अस्पताल के डॉक्टरों ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है।

सचिन के भवानी नगर सोसायटी निवासी पशुपालक रघुभाई भरवाड़ की पत्नी सोनलबेन को शनिवार को प्रसव पीड़ा होने पर मैत्री प्रसूति गृह में भर्ती कराया गया था। रविवार दोपहर उनका सिजेरियन ऑपरेशन किया गया, जिसमें उन्होंने एक बच्चे को जन्म दिया। लेकिन प्रसव के दो घंटे बाद अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। इस पर उन्हें तुरंत सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां मंगलवार दोपहर इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

परिजनों ने आरोप लगाया कि मैत्री अस्पताल के डॉक्टरों ने लापरवाही बरती, जिससे उनकी मौत हुई। साथ ही यह भी आरोप लगाया कि बिना परिवार को सूचित किए ही सोनलबेन को सिविल अस्पताल रेफर कर दिया गया। इस मामले में मैत्री अस्पताल के डॉ. मनन शाह ने कहा, हमारे यहां मरीज का ऑपरेशन गायनेकोलॉजिस्ट द्वारा किया गया था। बाद में कोई ब्लीडिंग नहीं थी। मरीज का ब्लड प्रेशर गिर गया था, इसलिए किसी उच्च स्तरीय सेंटर में ले जाना आवश्यक था। सिविल अस्पताल में सभी सुविधाएं और विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध रहते हैं, इसलिए मरीज को वहां ले जाने की बात परिवार को बताई गई थी। 108 एंबुलेंस में मरीज को ले जाया गया, और उस समय तक कोई ब्लीडिंग नहीं थी। हमारी ओर से किसी प्रकार की लापरवाही नहीं की गई है।

महिला कॉर्पोरेटरों की मौजूदगी में गाली-गलौज

सूरत भाजपा कार्यालय में हुई बैठक में दो कॉर्पोरेटर भिड़े

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

देश की सबसे बड़ी और अनुशासित पार्टी मानी जाने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो नगरसेवक (कॉर्पोरेटर) सूरत भाजपा कार्यालय में जमकर भिड़ गए। हैरानी की बात यह रही कि दोनों ने महिला नगरसेविकाओं की मौजूदगी की परवाह किए बिना खुलकर गाली-गलौज की। भाजपा कार्यालय में हुई इस घटना ने पार्टी की मर्यादा की धज्जियाँ उड़ा दी और यह मामला सूरत की राजनीति में चर्चा का केंद्र बन गया है।

सूरत भाजपा कार्यालय में वरिष्ठ नागरिकों के "वडील वंदना कार्डज्ज के वितरणके लिए विभिन्न ज़ोन की बैठक आयोजित की गई थी। सोमवार को वार्ड नंबर 19, 21 और 22 की बैठक थी। बैठक के बाद भोजन समारोह का आयोजन भी हुआ, जिसमें महिला और पुरुष मिलाकर 15 से अधिक नगरसेवक मौजूद थे।

दिपन देसाई और व्रजेश उंडकट में विवाद भोजन के दौरान ही भाजपा कॉर्पोरेटर दिपन देसाई और व्रजेश उंडकट आपस में उलझ गए। दिपन देसाई ने कथित तौर पर व्रजेश पर टिप्पणी की कि वह लारी कमेटी का चेयरमैन बनकर कुछ खास कर नहीं रहा। इस पर व्रजेश उंडकट ने पलटवार करते हुए जवाब दिया, जिससे बात बहस से बढ़कर गाली-गलौज तक पहुंच गई।

दिपन देसाई ने यहां तक कह दिया: "मैं तो शौक से कॉर्पोरेटर बना हूँ, मुझे किसी की परवाह नहीं है। तेरे जो भी आका हों, जाकर कह दे।"

इसके जवाब में व्रजेश उंडकट भी पीछे नहीं रहे। दोनों के बीच तेज गर्मा-गर्मी और अशोभनीय भाषा का प्रयोग हुआ, जिसे देखकर महिला कॉर्पोरेटर स्तब्ध रह गईं।

इस घटना के समय मौजूद महिला नगरसेवकों में कैलाशबेन सोलंकी, डिम्पल कापड़िया, सुमन गड़िया थीं। इनके अलावा संजय दलाल, अशोक रांदरिया, नरेश राणा, हिमांशु राउलजी और अन्य नेता भी उपस्थित थे। अंत में अन्य नेताओं और उपस्थित लोगों ने मुश्किल से दोनों को अलग किया।

यह विवाद तब और भी शर्मनाक बन गया जब यह पार्टी कार्यालय के भीतर ही हुआ, वह भी पार्टी अध्यक्ष परेश पटेल की मौजूदगी के स्थान पर। भाजपा की जिस अनुशासनप्रिय छवि का बार-बार प्रचार किया जाता है, वह इस घटना में तार-तार हो गई है। अब सवाल यह है कि पार्टी इन दोनों नेताओं को सिर्फ चेतावनी देगी या कड़े कदम उठाएगी, यह भाजपा के लिए अग्निपरीक्षा से कम नहीं है। इस पूरे घटनाक्रम ने न सिर्फ पार्टी की छवि खराब की है, बल्कि शहर अध्यक्ष परेश पटेल की साख भी दांव पर लग गई है। क्या पार्टी नेतृत्व अब इस पर आंतरिक अनुशासनात्मक कार्रवाई करेगा या सिर्फ मामला ठंडे बस्ते में जाएगा - यही अब राजनीतिक गलियारों में बहस का मुद्दा बना हुआ है।

अग्रवाल विद्या विहार महाविद्यालय में "काव्य पठन" का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,वेसु स्थित अग्रवाल विद्या विहार अंग्रेजी माध्यम महाविद्यालय में मंगलवार को हिंदी, अंग्रेजी एवं गुजराती तीन भाषाओं में काव्य पठन का आयोजन किया गया। आयोजन में 45 विद्यार्थियों ने अपने विचार एवं भावनाएं व्यक्त की साथ ही उत्साह पूर्वक काव्य पठन किया । कार्यक्रम में अग्रवाल समाज विद्या विहार ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय सरावगी, महाविद्यालय के मुख्य सलाहकार डॉ. यू.टी.देसाई, प्रभारी प्राचार्य डॉ. गौतम दुआ सहित महाविद्यालय के अनेकों व्याख्याता एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को भाषा एवं काव्य पाठ का महत्व समझाना था।

1000 रुपए के मोबाइल के विवाद में युवक की जान गई

मोबाइल के बदले ज्यादा पैसे मांगने पर चाकू से हमला आरोपी ने दो साथियों के साथ मिलकर की हत्या

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के लिंबायत इलाके में स्थित त्रिस्नल चौकी के पास सोमवार रात एक युवक की चाकू मारकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 21 वर्षीय अरबाज़ उर्फ़ बिंद्रा रियाज़ खान के रूप में हुई है, जो नूरानी मस्जिद क्षेत्र का निवासी था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हत्या का कारण सिर्फ 1000 रुपए में खरीदे गए मोबाइल फोन को लेकर हुआ मामूली विवाद था।